हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 176 बेमेतरा, सोमवार 16 फरवरी 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका-भारत ट्रेड डील ने बदला माहौल

नईदिल्ली। फरवरी में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में जोरदार कमबैक किया है। महीने के पहले पखवाड़े में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने कुल 19,675 करोड़ रुपये की खरीदारी की। यह बदलाव अमेरिका-भारत के बीच हुए व्यापार समझौते और दुनिया भर में आर्थिक चिंताओं के कम होने की वजह से आया। पिछले तीन महीने तक तो हालात उलटे थे। एफपीआई लगातार बेच रहे थे। जनवरी में उन्होंने 35,962 करोड़ रुपये निकाले, दिसंबर में 22,611 करोड़ और नवंबर में 3,765 करोड़ रुपये की बिकवाली की। पूरे 2025 में एफपीआई ने भारतीय इक्विटी से कुल 1.66 लाख करोड़ रुपये (करीब 18.9 अरब डॉलर) बाहर निकाल लिए।

ग्लोबल मार्केट में दोपहिया कंपनियों की टक्कर

नईदिल्ली। अक्टूबर से दिसंबर तिमाही में भारत की दोपहिया वाहन कंपनियों के निर्यात प्रदर्शन में अलग-अलग रुझान देखने को मिले। कुछ कंपनियों ने विदेशी बाजारों में मजबूत वापसी दर्ज की, जबकि कुछ अन्य अभी भी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अस्थिर मांग से जूझ रही हैं। इससे साफ है कि निर्यात में सुधार पूरी तरह व्यापक नहीं हुआ है और यह बाजार विशेष पर निर्भर बना हुआ है। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि दोपहिया निर्यात कारोबार स्वाभाविक रूप से उतार-चढ़ाव से प्रभावित रहता है।

भारत में व्यापार के बुनियादी ढांचे में हो रहा सुधार

नईदिल्ली। ब्रिटेन की बहुराष्ट्रीय उपभोक्ता वस्तु कंपनी यूनिलीवर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी फर्नांडो फर्नांडीज की भारत में हुए व्यापार में सुधार को लेकर प्रतिक्रिया आई। उन्होंने कहा कि भारत में कंपनी के कारोबार की बुनियादी स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है। अमेरिका के बाद भारत यूनिलीवर का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है और कंपनी के लिए सबसे प्रमुख स्थानों में से एक है। दरअसल, वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में यूनिलीवर के होम केयर सेगमेंट में 4.7 प्रतिशत की मूल बिक्री वृद्धि के साथ-साथ 4 प्रतिशत की मात्रा वृद्धि दर्ज की है।

एआई के विस्तार से बदला जॉब मार्केट

नईदिल्ली। कंपनियों में कृत्रिम मेधा के बढ़ते उपयोग का असर अब भर्ती प्रक्रिया पर भी दिखने लगा है, खासकर प्रवेश स्तर की नौकरियों पर। एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई तकनीक अपनाने से कंपनियों की नियुक्ति संबंधी प्राथमिकताएं बदल रही हैं और पारंपरिक भूमिकाओं की मांग में बदलाव देखा जा रहा है। भारतीय अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद द्वारा किए गए एक अध्ययन, जिसे ओपनएआई का समर्थन प्राप्त है, के अनुसार एआई के विस्तार से विभिन्न क्षेत्रों में कार्य संरचना और कौशल की जरूरतें बदल रही हैं।

महाशिवरात्रि पर बाबा धाम में सीएम साय ने की पूजा-अर्चना

1.20 करोड़ के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

रायपुर। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अपनी धर्मपत्नी कौशल्या साय के साथ रायगढ़ प्रवास के दौरान देर रात एक बजे ग्राम कोसमनारा स्थित श्री श्री 108 श्री सत्यनारायण बाबा धाम पहुंचे. उन्होंने भगवान भोलेनाथ एवं श्री श्री 108 श्री सत्यनारायण बाबा की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की. इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पूरे प्रदेश वासियों को महाशिवरात्रि पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी.

इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने जिला खनिज न्यास मद के अंतर्गत 1 करोड़ 20 लाख रुपए की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत शिलान्यास किया. प्रस्तावित कार्यों में मुख्य भवन के सामने ग्रेनाइट फर्श सहित शेड निर्माण, आगंतुकों के विश्राम एवं भोजन के लिए शेड निर्माण, शौचालय परिसर भवन का निर्माण तथा पार्किंग क्षेत्र के लिए सीमेंट कांक्रीट सड़क निर्माण शामिल हैं. उन्होंने इन कार्यों के लिए क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए कहा कि इससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि कोसमनारा स्थित यह धाम श्रद्धा और आस्था का प्रमुख केंद्र है. यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा समाज को सकारात्मक दिशा और आत्मबल प्रदान करती है.

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गुरुजनों के आशीर्वाद और जनता के विश्वास के साथ जनकल्याण के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ रही है. उल्लेखनीय है कि रायगढ़ जिला मुख्यालय से लगभग 7 किलोमीटर दूर स्थित यह धाम वर्षों से श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है. बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां श्री श्री 108 श्री सत्यनारायण बाबा एवं भगवान भोलेनाथ के दर्शन के लिए पहुंचते हैं. स्थानीय जनश्रुति के अनुसार, श्री श्री 108 श्री सत्यनारायण बाबा वर्ष 1998 से कठोर तपस्या में लीन हैं. वर्ष 2003 में उन्हें 'श्री श्री 108' की उपाधि प्राप्त हुई, जिसके बाद धाम की ख्याति और अधिक बढ़ी. बताया जाता है कि बाबा ने पत्थरों को एकत्र कर शिवलिंग का स्वरूप निर्मित किया और उसी स्थान को अपनी तपोभूमि बनाया. वर्षा, ग्रीष्म और शीत—तीनों ऋतुओं में खुले स्थान पर रहकर भगवान भोलेनाथ की साधना करना उनकी तपस्या की विशेष पहचान बन चुकी है.

इस अवसर पर महापौर जीवर्धन चौहान, नगर निगम सभापति डिग्रीलाल साहू, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, सरपंच, गणमान्य नागरिक, कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित थे।

पीएम मोदी नहीं, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जाएंगे बांग्लादेश

तारिक रहमान के शपथ ग्रहण में होंगे शामिल

नई दिल्ली (ए)। बांग्लादेश के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री तारिक रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में भारत की तरफ से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला प्रतिनिधित्व करेंगे। यह जानकारी भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से साझा की गई है।

इससे पहले कयास लगाए जा रहे थे कि पीएम मोदी बीएनपी अध्यक्ष के शपथ ग्रहण में शामिल होने के लिए पड़ोसी देश का दौरा कर सकते हैं। लेकिन भारत में एआई इम्पैक्ट समिट के आयोजन और कई देशों के गणमान्य अतिथियों के आगमन समेत अन्य प्रस्तावित कार्यक्रम में व्यस्तता के कारण पीएम मोदी बांग्लादेश नहीं जा सकते हैं। पीएम मोदी का 17 फरवरी को मुंबई में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय बैठक का कार्यक्रम पहले से तय है। विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, 17 फरवरी, 2026 को ढाका में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के चेयरमैन तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की नई चुनी हुई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करेंगे।

बांग्लादेश ने इन देशों को किया है आमंत्रित

राजनयिक सूत्रों के अनुसार, आमंत्रित देशों की सूची में भारत, चीन, पाकिस्तान, सऊदी अरब, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, मलेशिया, ब्रुनेई, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और भूटान शामिल हैं। शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन संसद के साउथ प्लाजा में होगा। पड़ोसी देश में हाल ही में आयोजित हुए 13वें राष्ट्रीय चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने प्रचंड बहुमत हासिल किया है। इसके बाद 17 फरवरी यानी मंगलवार को तारिक रहमान के नेतृत्व में बीएनपी की नई सरकार का शपथ ग्रहण।

बांग्लादेश का 13वां राष्ट्रीय चुनाव

बीएनपी ने 300 में से 212 सीटों पर जीत दर्ज की है। जबकि जमात-ए-इस्लामी गठबंधन ने 77 सीटों पर जीत दर्ज की है। इसके अलावा अन्य दलों को प्रदर्शन नाकाफी रहा, इसमें इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश पार्टी ने एक सीट और सात सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत हासिल की। जबकि पूर्व सत्ताधारी दल अवामी लीग (शेख हसीना की पार्टी) को इस चुनाव में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी गई।

पीएम मोदी ने तारिक रहमान को दी बधाई

शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी ने तारिक रहमान से फोन पर बात की और उनकी पार्टी की चुनाव जीत पर बधाई दी। पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने बांग्लादेश की जनता की उम्मीदों को पूरा करने के लिए रहमान को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने यह भी दोहराया कि भारत और बांग्लादेश गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध वाले करीबी पड़ोसी हैं, और भारत दोनों देशों की शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए सहयोग जारी रखेगा।

अप्रैल से लागू होगा भारत-यूके के बीच हुआ सीईटीए समझौता

नईदिल्ली। भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच पिछले साल जुलाई में हुआ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट अब अप्रैल 2026 से शुरू होने वाला है। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि यह समझौता जल्द ही अमल में आ सकता है। यह समझौता जिसे कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक एंड ट्रेड एग्रीमेंट कहा जाता है, 24 जुलाई 2025 को साइन किया गया था। इसके तहत भारतीय निर्यात का 99 प्रतिशत ब्रिटिश बाजार में जीरो ड्यूटी पर जाएगा। वहीं भारत में ब्रिटिश प्रोडक्ट्स जैसे कार और व्हिस्की पर टैरिफ कम होंगे। अधिकारी ने कहा, हम उम्मीद कर रहे हैं कि यह समझौता इस साल अप्रैल से लागू हो जाएगा। दोनों देशों ने साथ ही डबल कंट्रीब्यूशन कन्वेंशन भी साइन किया है। इससे टेम्पररी वर्कर्स को दोनों देशों में सोशल सिक्योरिटी या पेंशन के डुप्लिकेट पेमेंट नहीं करने पड़ेंगे।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों का तीन दिवसीय भारत दौरा

पीएम मोदी से होगी मुलाकात,एआई-इनोवेशन पर होंगे अहम समझौते

नई दिल्ली (ए)। भारत और फ्रांस के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भारत आ रहे हैं। वह अपनी पत्नी ब्रिगिट मैक्रों के साथ तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे। यह दौरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछली फ्रांस यात्रा के बाद हो रहा है। मैक्रों का यह दौरा कई मायनों में अहम माना जा रहा है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रपति मैक्रों 16 फरवरी की देर रात करीब 11:30 बजे मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे। उनके दौरे के आधिकारिक कार्यक्रमों की शुरुआत 17 फरवरी से होगी। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कई अहम मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

मुंबई और दिल्ली में कई कार्यक्रम

17 फरवरी को राष्ट्रपति मैक्रों की मुलाकात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से होगी। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच कई समझौतों का आदान-प्रदान होगा और एक संयुक्त बयान भी जारी किया जाएगा। शाम को वह होटल ताज महल पैलेस में भारत-फ्रांस इनोवेशन फोरम में हिस्सा लेंगे। इसके बाद रात में गेटवे ऑफ इंडिया पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी शामिल होंगे।

एआई समिट और इनोवेशन पर जोर

इस दौरे का बड़ा आकर्षण नई दिल्ली में आयोजित हो रहा एआई इम्पैक्ट समिट है। यह ग्लोबल साउथ में होने वाला पहला एआई समिट है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। भारत सरकार का मानना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) देश के विकास, शासन और सार्वजनिक सेवाओं को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभा सकता है। इस दौरे के दौरान दोनों नेता भारत-फ्रांस ईयर ऑफ इनोवेशन का भी उद्घाटन करेंगे, जिसे 2026 तक मनाया जाएगा।

अगले दिन 18 और 19 फरवरी को राष्ट्रपति मैक्रों नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। यहां वह एआई इम्पैक्ट समिट के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। इसके अलावा, वह कई देशों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक और वर्किंग लंच में भी हिस्सा लेंगे। 19 फरवरी को दोपहर 3:45 पर वह फ्रांस के लिए रवाना हो जाएंगे।

रिफॉर्म एक्सप्रेस ने बड़ी प्रगति की, पर मैं स्वभाव से पूरी तरह संतुष्ट होने वालों में नहीं

नई दिल्ली (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बजट सत्र के पहले चरण के बाद अपने पहले इंटरव्यू में कई अहम बदलावों पर बात की है। पीएम ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए इंटरव्यू में कहा कि मौजूदा सरकार ने सुधार को लेकर जो प्रतिबद्धता जताई थी, वह हमने अपने शब्दों और कार्यों के जरिए दर्शाया है।

पीएम ने निजी सेक्टर के महत्व को भारत की विकास यात्रा का एक अहम साथी करार दिया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का अगला चरण इस बात पर निर्भर होगा कि निजी सेक्टर उन्नयन, लंबी अवधि की क्षमताएं पैदा करने और वैश्विक प्रतियोगिता में कितना बेहतर ढंग से निवेश करता है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि रिफॉर्म एक्सप्रेस ने बड़े स्तर पर प्रगति की है, लेकिन मेरा स्वभाव पूरी तरह संतुष्ट होने वालों में से नहीं है। पीएम मोदी ने कहा कि आर्थिक परिवर्तन के अगले चरण के लिए निजी क्षेत्र की भूमिका निर्णायक है और उन्होंने उनसे एक सशक्त प्रतिक्रिया की अपील की है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र को केवल अपने मुनाफे को बचाने पर कम ध्यान देना चाहिए और इसके बजाय अनुसंधान एवं विकास (रिसर्च एंड डेवलपमेंट), सप्लाई चेन और गुणवत्ता पर आक्रामक रूप से निवेश करना चाहिए।

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की दमदार वापसी

नई दिल्ली(ए)। फरवरी की शुरुआत में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयर बाजार में मजबूत वापसी दर्ज की है। महीने के पहले पंद्रह दिनों में ही उन्होंने 19,675 करोड़ रुपये का निवेश कर दिया।

लगातार तीन महीनों तक हुई भारी बिकवाली के बाद अब घरेलू बाजार में उनकी रुचि फिर बढ़ती दिख रही है। विशेषज्ञ इसके पीछे अमेरिका-भारत व्यापार समझौते की उम्मीदों और वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों में आई नरमी को प्रमुख वजह मान रहे हैं। यह आंकड़े हाल के वर्षों में विदेशी निवेश के लिहाज से सबसे कमजोर दौरों में से एक माना जा रहे हैं। बिकवाली की बड़ी वजहों में रुपए में उतार-चढ़ाव, वैश्विक व्यापार तनाव, अमेरिका की संभावित टैरिफ नीतियों की चिंता और भारतीय बाजार में ऊंचे शेयर मूल्य शामिल रहे।

आया 19,675 करोड़ रुपये का निवेश

नए आंकड़े

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, पिछले महीनों में एफपीआई ने भारतीय बाजार से बड़ी मात्रा में बिकवाली की थी।

जनवरी में उन्होंने 35,962 करोड़ रुपए, दिसंबर में 22,611 करोड़ रुपए और नवंबर में 3,765 करोड़ रुपए निकाले थे।

लगातार निकासी से घरेलू शेयर बाजार पर दबाव बना रहा और इससे वैश्विक निवेशकों की सतर्क सोच भी झलकती रही।

साल 2025 में अब तक एफपीआई भारतीय शेयर बाजार से कुल मिलाकर 1.66 लाख करोड़ रुपए (लगभग 18.9 अरब डॉलर) निकाल चुके हैं।

बेशर्म मोहसिन नकवी बहिष्कार का ड्रामा किया

फिर यू-टर्न लिया और अब कोलंबो पहुंचे, बाबर और उस्मान को लगाया गले

कोलंबो। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने पिछले एक साल में अपनी किरकिरी करवाने का कोई मौका नहीं छोड़ा है। चाहे एशिया कप की ट्रॉफी चोरी कर भागने का मामला हो या फिर बहिष्कार के ड्रामे के बाद यू-टर्न लेने का, पाकिस्तान का हमेशा मजाक उड़ा है। अब नकवी ने खुद की एक बार फिर किरकिरी करवाई है और वह इतने ड्रामे के बाद बेशर्मों की तरह भारत-पाकिस्तान का मैच देखने के लिए कोलंबो पहुंच गए हैं। इसका वीडियो भी सामने आया है। नकवी ने पाकिस्तानी टीम से मुलाकात की और बाबर आजम और उस्मान तारिक को गले भी लगाया।

दरअसल, फरवरी की शुरुआत में पाकिस्तान ने बांग्लादेश के समर्थन में टी20 विश्वकप 2026 के बहिष्कार की गीदड़भभकी दे डाली थी। भारत में नहीं खेलने की जिद्द पर आईसीसी ने बांग्लादेश को टी20 विश्वकप से बाहर कर दिया था। किसी मामले में टांग अड़ाने की आदत से लाचार पाकिस्तान ने फिर बांग्लादेश के समर्थन में भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार का एलान किया और टूर्नामेंट के बहिष्कार से पीछे हट गए। हालांकि, महामुकाबले के बहिष्कार के पाकिस्तान सरकार के एलान के बाद ज्यादातर क्रिकेट पंडितों ने यही कहा था कि पाकिस्तान बाद में यू टर्न लेगा। और फिर हुआ भी ऐसा ही। नौ दिन के ड्रामे के बाद पाकिस्तान ने यू टर्न लिया और भारत के खिलाफ खेलने को राजी हो गया।

बाबर और उस्मान तारिक से की मुलाकात

मैच से पहले खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने के लिए नकवी ने पाकिस्तानी टीम के सदस्यों से मुलाकात की और राष्ट्रीय टीम के प्रति उनके दृढ़ संकल्प और समर्पण की सराहना की। इस मुलाकात कार्यक्रम में कप्तान सलमान अली आगा, मुख्य कोच माइक हेसन और टीम मैनेजर नवीद अकरम चीमा के साथ-साथ पूरी टीम और सहायक स्टाफ मौजूद थे।

नकवी कोलंबो पहुंच चुके हैं

अब इतना ड्रामा करने के बाद पीसीबी अध्यक्ष नकवी कोलंबो पहुंचे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स, में ऐसा बताया जा रहा है कि वह मैच के दौरान आईसीसी अध्यक्ष जय शाह से मिल सकते हैं। इस दौरान वह आईसीसी से खराब हुए रिश्तों को सुधारने की कोशिश करेंगे। इसके अलावा वह बीसीसीआई से भी रिश्ते सुधारने की कोशिश करेंगे।

सबरीमाला मंदिर : महिलाओं के प्रवेश का मुद्दा फिर गरमाया

अदालत में सुनवाई से पहले विपक्ष ने सरकार से मांगा जवाब

सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई से पहले बढ़ी सियासी हलचल

तिरुवनंतपुरम। केरल में सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है। सुप्रीम कोर्ट में होने वाली अहम सुनवाई से ठीक पहले इस विषय ने राज्य की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। विपक्ष ने सत्तारूढ़ एलडीएफ सरकार से साफ रुख बताने की मांग की है। सवाल यह है कि सरकार अदालत में महिलाओं के प्रवेश का समर्थन करेगी या अपना पुराना हलफनामा वापस लेगी। यह मुद्दा इसलिए फिर

सामने आया है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट सोमवार को 2018 के फैसले से जुड़े रिव्यू और रिट याचिकाओं पर विचार करने वाला है।

उस फैसले में हर उम्र की महिलाओं को भगवान अयप्पा के मंदिर में प्रवेश की अनुमति दी गई थी। विपक्षी कांग्रेस का कहना है कि सरकार को अदालत में जाने से पहले जनता को अपना रुख साफ-साफ बताना चाहिए। उनका आरोप है कि सरकार इस संवेदनशील मुद्दे पर अब तक असमंजस की स्थिति में है।

विपक्ष का सवाल, सरकार का जवाब गोल

नेता प्रतिपक्ष वी डी सतीशन ने मुख्यमंत्री विजयन से पूछा कि क्या सरकार अब भी सुप्रीम कोर्ट में दायर अपने पुराने हलफनामे के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार महिलाओं के प्रवेश के पक्ष में है तो उसे मजबूती से अदालत में यही बात रखनी चाहिए। अगर नहीं है तो हलफनामा वापस लिया जाए। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने भी कहा कि पूरे केरल में सरकार से साफ रुख की मांग हो रही है और पीछे हटना जनता के साथ धोखा होगा।

सीपीआई(एम) का रुख, अभी कुछ कहना जल्दबाजी

सत्तारूढ़ दल सीपीआई(एम) ने विपक्ष के आरोपों को खारिज किया है। पार्टी के राज्य सचिव एम वी गोविंदन ने कहा कि सरकार अपना पक्ष अदालत में ही रखेगी और अभी इसे सार्वजनिक करना जरूरी नहीं है। उन्होंने कहा कि भक्तों की भावनाओं और लोकतांत्रिक मूल्यों दोनों का सम्मान किया जाएगा। पार्टी के वरिष्ठ नेता ए विजयराघवन ने भी कहा कि यह मामला बेहद जटिल है और सभी पक्षों को सुनने के बाद ही कोई ठोस फैसला लिया जाना

सीएम मान फोर्टिस मोहाली में भर्ती

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को आज सुबह संगरूर से लौटने के बाद मोहाली के फोर्टिस हॉस्पिटल ले जाया गया है। सूत्रों का कहना है कि वह दोपहर करीब 3:00 बजे पहुंचे और डॉक्टरों की एक टीम अभी उनकी जांच कर रही है। बता दें कि महाशिवरात्रि के इस खास मौके पर आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान आज धूरी पहुंचे थे। धूरी स्थित श्री रणकेशवर महादेव शिव मंदिर में मान और केजरीवाल माथा टेका। इस दौरान उनके साथ दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री व पंजाब आप प्रभारी मनीष सिसोदिया भी थे।

मांडनदी सेमरा में रेत के अवैध उत्खनन पर खनिज विभाग की चुप्पी, कहीं रेत माफिया,पंचायत की साठगाठ तो नहीं?

पुसौर /मूक पत्रिका

जिले में अवैध रेत उत्खनन का कारोबार बेखौफ तरीके से जारी है, यह लम्बे समय से चल रहा है, खबरें सुर्खियों में आती है और विभाग खानापूर्ति करके चला जाता है फिर कुछ समय बाद वही कार्य शुरू हो जाता है, ऐसे में विभाग की कार्यवाहीके ऊपर सवाल उठता है कि क्या ये खनिज विभाग की सांठगाँठ से चल रहा है? खबर सामने आई है कि पुसौर विकासखंड के ग्राम सेमरा स्थित मांड नदी में दिन-रात रेत का अवैध उत्खनन किया जा रहा है। इसको लेकर स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि रोजाना सैकड़ों ट्रैक्टर के माध्यम से रेत की तस्करी की जा रही है, जिससे शासन को भारी राजस्व क्षति हो रही है और साथ ही रास्ते पर गिरती रेत से ग्रामीण भी परेशान है, जिसके कारण छोटी-मोटी घटनायें भी हो रही। यह तस्करी नियमों को ताक पर रखकर की जा रही है। मांडनदी मे बड़े पैमाने पर खोदा जा रहा है, जिससे गहरे गड्ढे भी बन रहे है। नदी का प्राकृतिक स्वरूप बिगड़ता जा रहा है और पर्यावरण पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। लगातार हो रहे उत्खनन से आसपास के क्षेत्रों में जलस्तर प्रभावित होने और भविष्य में कटाव का खतरा भी बढ़ गया है। इस मामले में ग्रामीणों का कहना है कि इस पूरे मामले की जानकारी संबंधित विभागों को है, इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई है। क्षेत्र में चर्चा है कि अवैध उत्खनन अलग-अलग स्थानों पर लगातार जारी है, जिससे रेत माफिया के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर मालिकों ने बताया कि मांडनदी से बालू उत्खनन कर यह बालू अदानी पावर में खपाया जा रहा है बताया जा रहा है कि इस पूरे नेटवर्क को किसी प्रभावशाली व्यक्ति का संरक्षण प्राप्त है जिसके इशारे पर ही अवैध बालू उठाने का काम चल रहा है यह कारोबार पिछले दो सालों से संगठित तरीके से संचालित हो रहा है स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन और खनिज विभाग से मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्यवाही की मांग की है, जबकि विभाग मौन धारण करके बैठा हुआ है। यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो महानदी का अस्तित्व और आसपास का पर्यावरण गंभीर संकट में पड़ सकता है। ऐसे में मांडनदी के आसपास के गांवों के लिये खतरा भी हो सकता है। लोगों को कहना है की मांड नदी से रेत उत्खनन कर ले जाने पर पर ट्रीप ?50 के हिसाब से ग्राम पंचायत को देना पड़ता है ग्राम पंचायत के द्वारा किसी प्रकार की कोई रायल्टी पर्ची नहीं दी जाती है प्रति ट्रिप बिना ?50 दिए गाड़ी नहीं छोड़ी जाती है क्या कहते है गुरबारी सिदार सचिव = जब हमने दूरभाष के माध्यम से ग्राम पंचायत सचिव को संपर्क किया लेकिन फोन ना उठाकर अपना पल्ला झाड़ लिया क्या कहते है सरस्वती गुलाब डंगसेना सरपंच = हमने दूरभास का माध्यम से सरपंच से संपर्क किया सरपंच का कहना है कि अवैध खनन की गतिविधियों की मुझे कोई जानकारी नहीं सरपंच का यह भी कहना है कि ग्राम पंचायत किसी प्रकार से ट्रैक्टर मालिकों से कोई पैसा नहीं लिया जाता, उन्होंने यह भी बताया कि गांव के लोग प्रति ट्रिप 50 रूपए लेते हैं ट्रैक्टर मालिक कहते हैं कि पर ट्रिप ?50 पंचायत को देते हैं यह ग्राम सक्ति संगठन कर के एक भवन रोड किनारे बना है वहा एक व्यक्ति को देते हैं उसे व्यक्ति का नाम पूछने पर नाम नहीं बताया गया और सरपंच से पूछने से हम किसी से कोई पैसा नहीं लेते है इस तरह के जवाब से सरपंच की भूमिका संदिग्ध दिखाई दे रही है

महाशिवरात्रि पर पूजन-अभिषेक व भव्य शोभायात्रा, जयघोषों से गूंजा 'हर-हर महादेव

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कांकेर :- महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर नगर में श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। भगवान शिव के मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। विधि-विधान से रुद्राभिषेक, जलाभिषेक एवं विशेष आरती संपन्न हुई। श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ के दर्शन कर सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। शीतलापारा शिव समिति मंदिर, कांकेर देवभूमि राजापारा शिवमंदिर, सुभाष वार्ड शिवमंदिर एवं जवाहर वार्ड शिवमंदिर,टिकरापारा मेला भाटा शिव मंदिर सहित अन्य मंदिरों में दिनभर भक्ति का माहौल बना रहा। मंदिर परिसर 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गूंज उठा। इसी क्रम में श्री श्री महाकाल भक्त सेवा समिति, घड़ी चौक कांकेर के तत्वावधान में भगवान महाकाल की भव्य शोभायात्रा ,आकर्षण झाँकी एव विशेष प्रसूति कमलेश डीजे के द्वार निकाली गई। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। भक्ति गीतों एवं आकर्षक झांकियों ने वातावरण को शिवमय बना दिया। जग ह - जग ह पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न स्थानों पर भंडारा एवं प्रसादी वितरण किया गया। आयोजन को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। प्रमुख चौराहों एवं संवेदनशील स्थलों पर पुलिस बल तैनात रहा तथा यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने हेतु विशेष व्यवस्था की गई। प्रशासन की सतर्कता के चलते कार्यक्रम शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

प्रगतिशील युवा स्वर्णकार समाज के सकरी में स्थित भवन पर अभिषेक कुमार के द्वारा कब्जा

सरकार से मांग उसके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर भवन समाज को सौंपा जाए

कलेक्टर, तहसीलदार और सकरी थाने में ज्ञापन देने बाद भी कोई कार्रवाई नहीं

सोनी समाज द्वारा अतिशीघ्र आंदोलन की तैयारी

बिलासपुर/मूक पत्रिका

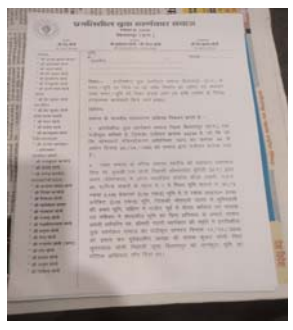

प्रगतिशील युवा स्वर्णकार समाज की अतिआवश्यक बैठक उपाध्यक्ष श्री नरेंद्र सोनी के निवास पर आयोजित की गई थी जिसमें समाज के सभी कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे एवं सकरी स्थित सामुदायिक भवन में नर्मदा नगर निवासी अभिषेक कुमार पिता बी.पी. द्वारा कब्जा किए भवन को शासन द्वारा मुक्त नहीं कराने पर उग्र आंदोलन करने पर विचार किया गया7 यह जमीन स्व. रमाकांत सोनी के द्वारा दान किया गया था और उस जमीन पर भवन बनाने के लिए तत्कालिक विधायक श्री राजू क्षत्री के द्वारा 5 लाख दिया गया था और उसमें भवन निर्माण का काम जनपद पंचायत सकरी के द्वारा किया गया था। लगभग एक माह होने को हैं थानेदार, तहसीलदार और कलेक्टर को ज्ञापन दिए हुए लेकिन अभिषेक कुमार ने अपने प्रभाव का उपयोग करते हुए कार्रवाई को रोक दिया गया है और अपना निर्माण कार्य जारी रखा है7 समाज के कुछ पदाधिकारियों को बुलाया कर समझौता करने की कोशिश की जिसमें वहां पर सरकारी जमीन को प्रगतिशील युवा स्वर्णकार समाज को देने की पेशकश किया गया जिसे समाज के सभी पदाधिकारियों ने मना कर दिए7 वहां पर मौके पर सरकार की खाली जमीन है जिसे कब्जा कर बैठे हैं7 और उसी जमीन पर अपना आलिशान वैवाहिक भवन का निर्माण किया जा रहा है। बैठक में समाज के पदाधिकारियों ने इस पर विचार विमर्श किया गया जिसमें की सभी सदस्यों के द्वारा यह निर्णय लिया गया कि पुनः सकरी स्थित सामुदायिक भवन का शासन के द्वारा सीमांकन कराया जाय और भूमि भवन के कब्जे को छुड़ाया जाए प्रगतिशील युवा स्वर्णकार समाज के सामुदायिक भवन और भूमि में वापस कब्जा किया जाए इसके लिए जो भी उचित कानूनी कार्यवाही किया जायेगा7 आगे शासन ने समाज की बातों को अनसुना करने पर उग्र आंदोलन किया जाएगा जिसकी जवाबदेही शासन की होगी इस बैठक में सभी पदाधिकारी एवं संगठन के संरक्षक गण ने अपनी सहमति दी है7 इस आवश्यक बैठक में अध्यक्ष नंदू सोनी सहित नरेंद्र सोनी, वेद सोनी, अनुप सोनी, अमरनाथ सोनी, सीएल सोनी , पूर्व अध्यक्ष कामता सोनी, राकेश सोनी हेमंत सोनी, हरि पोतदार, पवन सोनी, अनिल सोनी, दीपक सोनी, रामेश्वर सोनी, पुरुषोत्तम सोनी, अजय सोनी, राजेंद्र सोनी, रुद्रनारायण सोनी, शैलेंद्र सोनी, संतोष सोनी, आर के सोनी, विनोद सोनी, सूरज सोनी आदि उपस्थित रहे।

बिलाईगढ़ में बिना एनओसी चल रहे विश्वास क्लीनिक पर कार्रवाई प्रशासन ने किया सील

सारंगढ़ बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

बिलाईगढ़ के बंगलाभाटा में संचालित विश्वास क्लीनिक को प्रशासनिक टीम ने सील कर दिया है। जांच में क्लीनिक नगर पंचायत की अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) के बिना संचालित पाया गया। लंबे समय से मिल रही शिकायतों के बाद यह कार्रवाई की गई।अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) प्रफुल्ल रजक ने बताया कि क्लीनिक के खिलाफ गलत इलाज सहित कई गंभीर शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार कमलेश सिदार के नेतृत्व में नायब तहसीलदार देवराज सिदार, स्वास्थ्य विभाग से डॉ प्रकाश कुर्रे और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम गठित कर जांच कराई गई। जांच के दौरान पाया गया कि क्लीनिक नगर पंचायत की एनओसी के बिना संचालित हो रहा था। साथ ही यह जानकारी भी सामने आई कि क्लीनिक संचालक डॉ. सौरभ विश्वास अक्सर बाहर रहते हैं और उनके पिता क्लीनिक का संचालन संभालते हैं। इन अनियमितताओं के आधार पर क्लीनिक को सील करने की कार्रवाई की गई।

माता कौशल्या के नाम 31 मार्च 2026 पूर्व लागू हो स्थायीकरणः हीरा लाल ध्रुव

छुरिया /मूक पत्रिका

राज्यपाल, मुख्यमंत्री, वित्त मंत्री, विधि मंत्री, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव को ज्ञापन पत्र के माध्यम से मध्य प्रदेश में वर्ष 2016 और वर्ष 2023 में औद्योगिक अधिनियम 1948 की धारा 61 व 63 के तहत लागू की गई स्थायीकरण योजना को छत्तीसगढ़ में भी प्रभावी रूप से लागू करने की मांग की गई है।ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि राजस्थान सरकार ने वर्ष 2023 में अपने राज्य के बैंक डोर एंट्री दैनिक श्रमिकों व संविदा कर्मियों के लिए 5 वर्ष की समय सीमा तय कर स्थायीकरण लागू किया था, जिसे वर्तमान भाजपा सरकार ने घटाकर 2 वर्ष कर दिया है। जबलपुर हाईकोर्ट ने 11.08.2023 के अपने फैसले में बिना रिक्त पद के रखे, बिना नियुक्ति आदेश के कार्यरत दैनिक श्रमिकों के लिए म.प्र. (240 दिन) में लागू औद्योगिक अधिनियम के तहत स्थायीकरण योजना को उचित ठहराया है। छत्तीसगढ़ में माता कौशल्या के नाम से स्थायीकरण योजना लागू करने की मांग को लेकर हजारों दैनिक वेतनभोगी श्रमिकों एवं संविदा कर्मचारियों ने समर्थन दिया है। बताया गया कि लगभग 36 हजार दैनिक श्रमिकों व हजारों संविदा कर्मियों को इसका लाभ मिल सकता है। कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष हीरा लाल ध्रुव ने कहा कि 4 नए श्रम संहिता के अप्रैल 2026 से लागू होने के पूर्व 1948 का कानून समाप्त हो जाएगा, जिससे अप्रैल 2026 के बाद स्थायीकरण योजना लागू करने पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए 31 मार्च 2026 से पूर्व स्थायीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की कि प्रस्तावित समिति में 6 लाख अनियमित कर्मचारियों के 30 अलग-अलग प्रकार के पदाधिकारियों को सदस्य बनाया जाए, ताकि सभी वर्गों की समस्याओं का समुचित समाधान हो सके।

महाशिवरात्रि के पावन अवसर जैतेश्वर महादेव शिवलिंग मे रुद्राभिषेक एवं जलाभिषेक करने पहुँचे पूर्व संसदीय सचिव चंद्रदेव प्रसाद राय

बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

जैतपुर महानदी तट पर जैतेश्वर महादेव शिवलिंग का संस्थापक वि.स.बिलाईगढ़ के जननायक माननीय चंद्रदेव प्रसाद राय गुरुजी, पूर्व संसदीय सचिव छत्तीसगढ़ शासन, पूर्व विधायक बिलाईगढ़ जी ने आज महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर, हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी जैतपुर स्थित जैतेश्वर महादेव शिवलिंग में सपरिवार विधिङ्कविधानपूर्वक रुद्राभिषेक एवं जलाभिषेक संपन्न हुआ।इस शुभ अवसर पर भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना के पश्चात महादेव महाप्रसाद का वितरण श्रद्धालुओं के बीच किया गया।इस पुनीत धार्मिक आयोजन में विशेष रूप से जिला अध्यक्ष तारा देवांगन ,पूर्व जिला पंचायत सभापति हेमंत दुबे , तोषराम साहू (जिला अध्यक्ष ङ्क साहू समाज),पूर्व अध्यक्ष परमानंद साहू ,सरपंच मोनू कृष्णा ,पूर्व सोसायटी अध्यक्ष उत्तरा साहू ,श्रवण चौहान अध्यक्ष जैतेश्वर महादेव शिवलिंग निर्माण समिति जैतपुर)आचार्य नीलकंठ चौबे सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालुगण, जैतपुर ग्रामवासी एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।भगवान महादेव की असीम कृपा से वातावरण पूर्णतः भक्तिमय रहा और संपूर्ण आयोजन श्रद्धा, शांति एवं आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

पुलवामा के शहीदों को ब्लॉक अध्यक्ष विकास कोसले और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

सारंगढ़/मूक पत्रिका

पुलवामा आतंकी हमले की बरसी पर आज 'क्षेत्र समस्या निवारण' के सारंगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष विकास कोसले के नेतृत्व में कांग्रेस जनों और स्थानीय बच्चों ने वीर शहीदों को नमन किया। आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शहीदों के बलिदान को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर विकास कोसले ने कहा कि 14 फरवरी का दिन भारत के इतिहास में उन वीर सपूतों की याद दिलाता है, जिन्होंने देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन्होंने कहा, ÷हमारे वीर जवानों का यह सर्वोच्च बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। आने वाली पीढ़ियां और ये नन्हे बच्चे हमेशा उनके शौर्य से प्रेरणा लेंगे।÷ कार्यक्रम की मुख्य झलकियां: श्रद्धांजलि अर्पण: उपस्थित लोगों ने शहीदों के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन धारण किया।देशभक्ति का संदेश: बच्चों को देशप्रेम और सुरक्षा बलों के महत्व के बारे में जानकारी दी गई।नारेबाजी: ÷शहीद जवान अमर रहें÷ और ÷भारत माता की जय÷ के नारों से माहौल देशभक्तिमय हो गया। उपस्थित - महामंत्री सारनाथ जांगड़े, संयुक्त सचिव ध्रुव महेश, चंद्रशेखर रात्रे, साहिल रात्रे, समीर टंडन, मयंक कोसले, दीपेश चंद्र, एवं कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

बोरिया कला हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पास संचालित मिक्सर प्लांट हटाने एवं मुख्य मार्ग पर पक्का बाउंड्री वॉल निर्माण की मांग को लेकर शांतिपूर्ण धरना सम्पन्न

रायपुर/मूक पत्रिका

बोरिया कला हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित ग्रीन्सविले रेजिडेंट वेलफेयर सोसाइटी के बैनर तले रहवासियों ने अपनी विभिन्न मांगों एवं समस्याओं के समाधान हेतु शदाणी चौक से कॉलोनी के मुख्य द्वार तक जाने वाले मार्ग पर एक दिवसीय शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन किया। सुबह 10 बजे से बड़ी संख्या में समिति पदाधिकारी एवं कॉलोनीवासी उपस्थित रहे।

कॉलोनी के समीप संचालित कंक्रीट मिक्सर प्लांट हटाने की प्रमुख मांग -समिति के महासचिव श्री एजाज़ केशर एवं संगठन सचिव श्री राकेश दास वैष्णव ने बताया कि कॉलोनी की समस्याओं को लेकर कई बार हाउसिंग बोर्ड अधिकारियों को आवेदन दिया जा चुका है, किंतु अब तक कोई ठोस समाधान नहीं हुआ है। अध्यक्ष श्री दुबे ने बताया कि कॉलोनी में लगभग तीन हजार से अधिक परिवार निवासरत हैं और निजी व्यक्ति द्वारा संचालित कंक्रीट मिक्सर (क्रशर) प्लांट के कारण भारी वाहनों की लगातार आवाजाही से सड़कों की स्थिति अत्यंत जर्जर हो चुकी है। महासचिव श्री एजाज़ केशर ने कहा कि प्लांट से निकलने वाली धूल एवं प्रदूषण के कारण पर्यावरण दूषित हो रहा है, पेड़-पौधों को नुकसान पहुंच रहा है तथा रहवासियों के स्वास्थ्य पर भी विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब हाउसिंग बोर्ड की जमीन का उपयोग औद्योगिक गतिविधियों के लिए नहीं करने दिया जाएगा और प्लांट को शीघ्र हटाया जाना चाहिए।

मुख्य मार्ग पर भारी वाहनों की रोक हेतु दोनों ओर पक्का बाउंड्री वॉल निर्माण की अत्यावश्यक मांग -धरना प्रदर्शन के दौरान रहवासियों ने विशेष रूप से यह मांग उठाई कि शदाणी चौक से हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के मुख्य द्वार तक मुख्य मार्ग के दोनों ओर मजबूत एवं ऊँची पक्की बाउंड्री वॉल का निर्माण कराया जाए तथा मुख्य मार्ग पर भारी वाहनों को रोकने हेतु गर्डर का निर्माण शीघ्र से शीघ्र किया जाए ।

उनका कहना है कि भारी वाहनों की निरंतर आवाजाही से सड़कें क्षतिग्रस्त हो रही हैं और बच्चों, बुजुर्गों एवं महिलाओं की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। धूल एवं प्रदूषण के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी बढ़ रही हैं और कॉलोनी का मुख्य मार्ग औद्योगिक उपयोग में बदलता जा रहा है। समिति ने जोर देकर कहा कि केवल मौखिक आश्वासन पर्याप्त नहीं है, बल्कि स्थायी संरचनात्मक समाधान आवश्यक है। पक्की बाउंड्री वॉल के निर्माण से कॉलोनी की सीमाएं स्पष्ट होंगी, अनधिकृत एवं भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रभावी रोक लगेगी तथा कॉलोनी का आवासीय स्वरूप सुरक्षित रहेगा।

अन्य प्रमुख मांगें -रहवासियों ने कॉलोनी में एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) की समुचित व्यवस्था, नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित करने, साफ-सफाई एवं कचरा निपटान की सुदृढ़ व्यवस्था करने तथा मुख्य मार्ग पर अतिक्रमण हटाने की मांग भी उठाई। इसके अतिरिक्त अधूरे डामरीकरण कार्य को शीघ्र पूर्ण करने, कॉलोनी गार्डन का उचित रखरखाव सुनिश्चित करने तथा एलआईजी बिल्डिंग के पीछे बाउंड्री वॉल की मरम्मत एवं गेट निर्माण कर सम्पूर्ण कॉलोनी की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई।

मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी -पदाधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, आंदोलन जारी रहेगा। शीघ्र ही कॉलोनी का प्रतिनिधिमंडल हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष, आवास एवं पर्यावरण मंत्री तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री से मुलाकात कर समस्याओं से अवगत कराएगा और त्वरित समाधान की मांग करेगा। धरना प्रदर्शन में सर्वश्री एस के वाहने,आर.सी. सोनी, लावण्य तिवारी, दिलीप शर्मा, राहुल सिंह कुशवाह, राजेंद्र सिंह गौर, प्रदीप उपाध्याय, लक्ष्मीकांत कोसरिया, कुंदन शर्मा, जे पी दत्ता,संतोष तिवारी, राजेश द्विवेदी, वीरेंद्र द्विवेदी, अशोक भट्टाचार्य, प्रखर शर्मा, सुशील चंद्रोल, पुष्पेंद्र चौधरी, के.सी. मजूमदार, नीलेश्वर साहू, अनिल पटेल ,सौरभ सिंह, कल्पेश टांक ,परमहंस, बारूनाभ घोष,रामास्वामी, सावियो डी कोस्टा, सुकांत मिश्रा, सहित बड़ी संख्या में कॉलोनीवासी उपस्थित रहे। इस अवसर पर क्षेत्र के सरपंच श्री हिमाचल साहू एवं उपसरपंच श्री भागीरथी पांडे की भी उपस्थिति रही तथा उन्होंने रहवासियों की मांगों का समर्थन करते हुए संबंधित अधिकारियों से शीघ्र समाधान की अपेक्षा व्यक्त की।

महाशिवरात्रि पर कर्णेश्वर धाम में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़ट्रस्ट ने कर्णेश्वर महादेव का किया रुद्राभिषेक

नगरी, सिहावा /मूक पत्रिका

महाशिवरात्रि पर रविवार को श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना बेलपत्र, शमी पत्र,धतूरा,फूल नारियल आदि पूजन सामग्री को समर्पित कर जलाभिषेक किया।ऐतिहासिक कर्णेश्वर धाम प्रातः काल से ही शिव मय रहा। हर हर महादेव के जय घोष से पूरा परिसर गूंजता रहा।मन्दिर के सामने नारियल, धतूरा के फल फूल,अगरबत्ती, बेलपत्रों की दुकानें सजी रही। परम्परानुसार श्रद्धालुओं ने महानदी व बालका के संगम में डुबकी लगाकर कर्णेश्वर महादेव की पुजा अर्चना की।महाशिवरात्रि पर ऐसी मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव के बारह ज्योतिलिंगो का धरती पर प्रकाट्य हुआ था और भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह उत्सव के रूप में मनाने की परम्परा है।ट्रस्ट अध्यक्ष विकल गुप्ता ने बताया कि ऐतिहासिक कर्णेश्वर धाम में छत्तीसगढ़ की जीवन दायिनी महानदी व बालका, अदृश्य स्वर्ण नदी के पवित्र त्रिवेणी संगम में प्रकृति और परमात्मा का अदभुत मिलन होता है।महाशिवरात्रि पर त्रिनेत्र धारी भगवान शिव का आराधना में डूबे श्रद्धालुओं का उत्साह और भक्ति भाव देखते ही बनता है। ट्रस्ट ने सान्ध्य कालीन बेला में विधि विधान से पूजा अर्चना बेल पत्र, धतुरा के फूल व फल, शमी,गंगा जल,दूध,दही,चंदन, कनेर के पुष्प,सहित शिव जी के प्रिय साम्रगियों से कर महारुद्राभिषेक किया। नवनीत मानस परिवार राजनांदगांव व जय हिंद मानस परिवार साकरा द्वारा दोपहर से देर रात तक मधुर भजनों से शिव महिमा का गुण गान किया। इस दौरान ट्रस्ट संरक्षक कैलाश पवार, उपाध्यक्ष रवि ठाकुर,रवि दुबे,सचिव भरत निर्मलकर,कोषाध्यक्ष निकेश ठाकुर,सह सचिव राम भरोसा साहू, मोहन पुजारी,वरिष्ठ ट्रस्टी प्रकाश बैश, नागेंद्र शुक्ला,आनंद अवस्थी, योगेश साहू, छबि ठाकुर,बबलू गुप्ता, दुर्गेश साहू, ईश्वर जांगड़े,डोमार मिश्रा, महेंद्र कौशल रवि भट्ट,हनी कशयप, अनिरुद्ध साहू,गगन नाहटा,अश्विनी निषाद,होरी लाल पटेल, ललित निर्मलकर,संतु साहू मिलेश साहू,प्रमेश निषाद,गौतम चंद्र साहू,टेश्वर ध्रुव ,भूपेंद्र साहू,कुलेश साहू आदि की उपस्थिति रही।

महाशिवरात्रि की महिमा

पुजारी विनोद पूरी गोस्वामी ने बताया कि फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी को भगवान शिव अपने अनादि अनंत शिव लिंग स्वरूप में प्रकट हुए थे इसी कारण यह रात्रि महा शिवरात्रि कहलाती है।

मधोता में महाशिवरात्रि का भव्य आयोजन, विधायक बघेल ने किया जलाभिषेक

मधोता/मूक पत्रिका

बस्तर ब्लॉक के ग्राम मधोता में महाशिवरात्रि पर्व पर भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की पूजा-अर्चना की और उनकी मनोकामना पूरी होने की कामना की। मधोता शिव मंदिर की मान्यता है कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं की हर मनोकामना पूरी होती है।मधोता बस्तर रियासत की राजधानी के रूप में प्रसिद्ध रहा है। इसकी ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व को देखते हुए, यह मंदिर क्षेत्र के लोगों के लिए एक प्रमुख पवित्र स्थल है।शिव मंदिर पुजारी जम्मू सिंह ठाकुर ने बताया कि महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने से विशेष फल मिलता है। उन्होंने बताया कि भगवान शिव की कृपा से लोगों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है।इस अवसर पर बस्तर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक लखेश्वर बघेल ने मधोता शिव मंदिर में पहुंचकर देवो के देव महादेव का जलाभिषेक किया और क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ मिलकर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की और उनके प्रति अपनी श्रद्धा और भक्ति व्यक्त की। विधायक बघेल ने कहा कि भगवान शिव की कृपा से ही क्षेत्र में सुख-शांति और समृद्धि आती है। उन्होंने कहा कि वे क्षेत्र के विकास के लिए हमेशा प्रतिबद्ध हैं और भगवान शिव की कृपा से ही वे अपने इस कर्तव्य को पूरा कर पा रहे हैं। पुजारी और ग्रामीणों ने विधायक बघेल से मंदिर का जिर्णोद्धार, बाउंड्री वॉल और सौन्दर्यीकरण की मांग रखी। विधायक बघेल ने आश्वासन देते हुए कहा कि वे जल्द ही इस संबंध में

धर्मांतरित महिला के शव को दफनाने को लेकर गांव में भारी तनाव बना रहा

धमतरी /मूक पत्रिका

-थरूण निषाद -दुगली थाना क्षेत्र अंतर्गत गुहाननाला गांव में 70 वर्षीय तितरो बाई की 3 फरवरी को मौत हुई थी जिसने 8 वर्ष पूर्व महिला सहित परिजनों ने क्रिश्चन धर्म अपनाया था बता दें मौत के बाद परिजनों ने शव को घर के बाड़ी में हि चुपचाप दफन कर दिया ग्रामीणों को इसकी भनक तक लगने नहीं दि इस घटना की जानकारी ग्रामीणों को किसी तरह मिला तब ग्रामीण जनो में भारी आक्रोश फैल गया इसके बाद ग्रामीणों ने प्रशासन से कब्र खोद कर दफन लाश को निकालने की मांग किए 3 घंटे तक चले भारी बवाल के बाद मे प्रशासन के समझाइश के बाद धर्मांतरित परिवारों और ग्रामीणों के बीच बैठक हुई जिसमें ग्रामीणों ने अपनी बात रखते हुए कहा की अपनी पुरानी परंपरा में और धर्म में वापसी होकर ग्रामीणों का सहयोग करे तब धर्मांतरित परिवारों ने स्वयं सहमति बना कर अपनी मुल धर्म में वापसी होने की बात कही इसके बाद जा कर माहौल शांत हुआ मौके पर एडिशनल एसपी मणिशंकर चंद्रा प्रभारी एसडीम मनोज मरकाम एसडीओपी विपिन रंगारी थाना प्रभारी दुगली नगरी मेचका सीआरपीएफ जवान भारी संख्या में मौजूद रहे

'महाशिवरात्रि पर भक्ति में डूबा जांजगीर-चांपा, प्राचीन शिव मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

चांपा /मूक पत्रिका

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर पिथमपुर के प्राचीन मंदिर में आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। तड़के सुबह से ही दूर-दराज़ के गांवों और शहरों से श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। मंदिर परिसर में भक्त हाथों में पूजा की थाली, बेलपत्र और जल लिए कतारों में खड़े होकर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना कर रहे हैं। पूरे मंदिर को आकर्षक रोशनी और रंग-बिरंगे फूलों से सजाया गया है, जबकि ÷हर-हर महादेव÷ के जयघोष से वातावरण पूरी तरह शिवमय हो गया है। प्रशासन और मंदिर समिति की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दर्शन व्यवस्था, पेयजल और सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में दिनभर रुद्राभिषेक, भजन-कीर्तन और विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया जा रहा है। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल भी तैनात है, जिससे श्रद्धालु शांतिपूर्वक दर्शन कर सकें। हर वर्ष की तरह इस बार भी पिथमपुर में बड़ी संख्या श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ती है। श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भक्तों ने परिवार की सुख-समृद्धि और मंगलकामना के लिए भगवान शिव से प्रार्थना की। लंबी कतारें लोगों की अटूट श्रद्धा और गहरी आस्था को दर्शाती हैं।÷ पिथमपुर मंदिर में श्रद्धालुओं की आस्था आज भी कायम है, पंचमी से यहां 15 दिनों का मेला भी लगता है, जिसमें छत्तीसगढ़ सहित अन्य प्रदेशों के श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ती है।

युवा जनपद सदस्य की सड़क दुर्घटना में असामयिक मौत, पिछले माह हुई है शादी।

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिले के अकलतरा जनपद पंचायत के युवा जनपद सदस्य सानू संकर्षण सिंह का सड़क दुर्घटना में असामयिक निधन हो गया है उनकी असामयिक निधन से सांकर सहित पूरे अंचल में शौक की लहर व्याप्त है। बताया जा रहा है कि जनपद पंचायत सदस्य सानु संकर्षण सिंह क्षेत्र क्रमांक 21 निवासी सांकर कल रात लगभग साढ़े दस बजे अपने घर से रिस्दा मुलमुला अपनी बुआ से मिलने जाने अपनी बाइक से निकले। में रिसदा जाने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग 49 की तरफ से गये, जब में गुलीडीह के उपर ओवरब्रिज पर पहुंचे तो अचानक ही ओवरब्रिज से टकराये और बेहोश हो गये और उन्हें गंभीर चोट पहुंची। आने-जाने वाले में से किसी ने इस बात की सूचना अकललरा थाना में दी और 112 को फोन किया तो उन्हें अकलतरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां डाक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

उनकी मौत की सूचना से अकलतरा वानपद पंचायत के सदस्यों और उनके जानने वालों के अतिरिक्त उनके मतदाताओं में भी अत्यंत शोक व्याप्त है। उनके मिलनसार स्वभाव और सबसे प्रेम और स्नेह से मिलने की आदत से के लोकप्रिय युवा चेहरा थे। उनके असामयिक निधन से क्षेत्र में शोक व्याप्त है बताया जा रहा है कि पिछले 4 जनवरी को उनकी शादी हुई थी और वे दो भाइयों में छोटे थे।

कटोरा नहीं, व्यवस्था पर सवालः डिंडोरी में मनरेगा मजदूरों की 42 करोड़ से अधिक लंबित मजदूरी पर विरोध

डिंडोरी/मूक पत्रिका

जिले में मनरेगा मजदूरों की चार माह से लंबित 42 करोड़ 27 लाख 74 हजार रुपये की मजदूरी और रोजगार की गंभीर स्थिति को लेकर शुक्रवार, 13 फरवरी 2026 को अनोखा विरोध प्रदर्शन किया गया। ÷यह कटोरा मेरी मजबूरी नहीं, व्यवस्था की विफलता का प्रतीक है÷ लिखे संदेश के साथ भीख मांगकर सरकार का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की गई।इस प्रदर्शन का नेतृत्व डिंडोरी विधायक ओमकार मरकाम ने किया। उन्होंने कहा कि मजदूरों का पसीना सूख गया, लेकिन भुगतान अब तक नहीं हुआ। ÷मजदूरों का हक, समय पर भुगतान और सम्मानजनक रोजगार हमारी प्राथमिकता है। अगर सरकार संवेदनशील है तो तत्काल बकाया राशि जारी करे,÷ उन्होंने मंच से कहा।विधायक ने आरोप लगाया कि मजदूरी में देरी से हजारों परिवारों के सामने रोजमर्रा के खर्च, बच्चों की पढ़ाई और इलाज जैसी मूलभूत जरूरतों का संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की कमी के बीच मनरेगा ही एकमात्र सहारा है, लेकिन भुगतान अटकने से मजदूरों का भरोसा डगमगा रहा है। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं और मजदूरों ने कटोरे लेकर प्रतीकात्मक रूप से भीख मांगी और नारे लगाए। उनका कहना था कि जब सरकार समय पर मेहनताना नहीं दे पा रही, तो मजदूरों को मजबूरन ऐसे कदम उठाने पड़ रहे हैं।विरोध कार्यक्रम में यह मांग भी उठी कि लंबित 42.27 करोड़ रुपये की राशि तत्काल जारी की जाए, भुगतान में देरी की जिम्मेदारी तय हो और भविष्य में मजदूरी 15 दिनों के भीतर सुनिश्चित की जाए।जिला प्रशासन की ओर से फिलहाल आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। हालांकि प्रदर्शन के बाद ज्ञापन सौंपा गया है और मजदूरों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र भुगतान नहीं हुआ तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

'महाराणा बस स्टैंड के पास लगातार तीसरे दिन सड़क हादसा, दो बाइक की टक्कर में कई घायल'

चांपा /मूक पत्रिका

नगर में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। महाराणा बस स्टैंड के पास लगातार तीसरे दिन भी एक गंभीर सड़क दुर्घटना हो गई। दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने भिड़ंत में कई युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।प्राप्त जानकारी के अनुसार महाराणा बस स्टैंड के ठीक सामने एक मोटरसाइकिल में सवार तीन युवक तेज रफ्तार में आ रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे एक अन्य दोपहिया वाहन से उनकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों में सवार युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एम्बुलेंस की मदद से उपचार के लिए शासकीय बीडीएम अस्पताल भेजा गया।

सिंघरौर कुर्मी समाज द्वारा रक्तदान शिविर 18 फरवरी को

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ सिंघरौर कुर्मी (क्षत्रिय) समाज द्वारा डॉ. चेतन सिंह वर्मा की स्मृति में एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर बुधवार, 18 फरवरी को कुर्मी भवन कतेली में आयोजित होगा। समाज के पदाधिकारियों ने अधिक से अधिक लोगों से रक्तदान कर मानव सेवा के इस पुनीत कार्य में भागीदारी निभाने की अपील की है।रक्तदान शिविर की तैयारियों को लेकर युवा प्रकोष्ठ की बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी योजनाओं एवं कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूर्ण करने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष श्री राजेंद्र वर्मा ने की। उन्होंने तैयारियों का जायजा लेते हुए समाज के युवाओं को सेवा भावना के साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। सचिव ललित वर्मा सहित समाज के परीक्षेत्रीय एवं ग्रामीण पदाधिकारी तथा समस्त कुर्मी समाज के सदस्य बैठक में उपस्थित रहे। समाजजनों ने रक्तदान शिविर को सफल बनाने के लिए सामूहिक सहयोग और सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया।

स. लोहारा में नवनियुक्त सदस्य भगत पटेल का भव्य अभिनंदन, उमड़ा जनसैलाब

स. लोहारा /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राज्य पुलिस जवाबदेही प्राधिकरण के सदस्य के रूप में मनोनीत किए जाने के बाद प्रथम नगर आगमन पर भगत पटेल का स. लोहारा स्थित पटेल भवन में ऐतिहासिक एवं आत्मीय स्वागत किया गया। समारोह में क्षेत्रवासियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। यह आयोजन केवल स्वागत कार्यक्रम न रहकर, पूरे क्षेत्र के गौरव और सम्मान का उत्सव बन गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं विधायक प्रतिनिधि परदेशी पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य पुलिस जवाबदेही प्राधिकरण का सदस्य मनोनीत होना भगत पटेल के निष्कलंक सार्वजनिक जीवन और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि यह पद पुलिस प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनहित की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। श्री पटेल जैसे अनुभवी व्यक्ति के इस पद पर आसीन होने से आम नागरिकों का विश्वास और मजबूत होगा। मंडल अध्यक्ष लाला साहू ने भगत पटेल को जमीनी कार्यकर्ता बताते हुए कहा कि उनकी नियुक्ति क्षेत्र के प्रत्येक कार्यकर्ता का सम्मान है। जनपद उपाध्यक्ष अशोक पटेल और शिवचरण पटेल ने भी इसे लोहारा क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। अपने सम्मान से अभिभूत भगत पटेल ने कहा कि वे स. लोहारा की माटी के ऋणी हैं और शासन द्वारा सौंपे गए दायित्व का निर्वहन पूरी शुचिता और ईमानदारी से करेंगे। उन्होंने आश्वस्त किया कि उनका द्वार हर पीड़ित नागरिक के लिए सदैव खुला रहेगा। समारोह में राजू पटेल, जलेश्वर वर्मा, श्रीराम पटेल, बैसाखू पटेल, महेश पटेल, दानी मिश्रा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

(इस आयोजन पर उपराष्ट्रपति सहित विभिन्न मंत्रियों ने दी अपनी शुभकामना)

विश्व पटल पर छाया मातृ-पितृ पूजन दिवसः 350 से अधिक स्थानों में लाखों माता-पिता का पूजन किया...

बेमेतरा/मूक पत्रिका

श्री योग वेदांत सेवा समिति बेमेतरा के तत्वाधान में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी हर्सोल्लास के साथ मनाया गया मातृ-पितृ पूजन दिवस। पूज्य संत श्री आशारामजी बापू द्वारा प्रारंभ मातृ-पितृ पूजन दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम श्री राम मंदिर प्रांगण बेमेतरा में किया गया । कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में माननीय बेमेतरा विधायक - भैया दीपेश साहू , सभापति एवं पार्षद - भैया विकास तंबोली,पूर्व अध्यक्ष ग्रामीण मंडल - छोटेलाल साहू जी ने अपनी गरिमामय उपस्थित देकर कार्यक्रम की खूब-खूब सराहना किया । माता-पिता का पूजन की भावविभोर कर देने वाले दृश्य को देखकर उपस्थित जनसमूह की आंखे भर आयी । बच्चों का हृदय तो प्रेम से भर आया साथ ही माता-पिता गदगद हो गए। माननीय बेमेतरा विधायक - भैया दीपेश साहू जी ने कहा कि आज मैं पूरे नगर वासी को मातृ-पितृ पूजन दिवस पर बधाई देता हूं तथा यह संस्कार जो हमारी प्राचीन संस्कृति थे उसे वर्तमान में भी संस्कारित करने का काम वर्षों से जो चल रहा है मैं इसके लिए पूज्य बापूजी का आभार प्रकट करता हूँ। आज का दिन बहुत खास है क्योंकि आज मातृ-पितृ पूजन दिवस है । जिस तरह श्री गणेश जी ने माता-पिता का पूजन कर उनका आशीर्वाद पाया और प्रथम पूज्य हुए ऐसे ही हम भी अपने माता-पिता का पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त कर सभी क्षेत्रों में सफलता पाए । हमने कई अन्य आयोजन तो बहुत देखे है पर आज तो यह माता-पिता का जो पूजन देखा है अब तक का सबसे अच्छा आयोजन रहा है ।

उपराष्ट्रपति सहित देश के गणमान्य लोगों ने की सराहना–श्री योग वेदांत सेवा समिति के जिला अध्यक्ष विश्राम साहू एवं उपाध्यक्ष भगवती साहू ने बताया कि आज इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए भारत के उपराष्ट्रपति महामहिम श्री सी.पी. राधाकृष्णन जी ने अपनी शुभकामनाएं पत्र प्रेषित की है साथ ही देशभर के विभिन्न केंद्रीय मंत्री, राज्यपाल, राज्यो के मुख्यमंत्री एवं शिक्षामंत्रियो ने भी अपनी शुभकामनाएं पत्र के माध्यम से संस्था को भेजी है ।संत श्री आशारामजी बापू आश्रम के संचालक अनूप भाई ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि आज के सुंदर आयोजन में बाल संस्कार केंद्र बरगा और अछोली के बच्चों ने प्रेरणादायक सुंदर नाटिका प्रस्तुत की फिर बच्चों ने माता-पिता को आसन पर बिठाकर फूल-मालाएँ पहनायीं, तिलक किया और हाथों में पूजन की थाली लेकर पूजा-अर्चना की । फिर माता-पिता ने बच्चों को हृदय से लगा लिया और शुभ आशीष दी । विधिवत हुए इस पूजन कार्यक्रम की उपस्थित लोगों ने हृदय से स्वीकारा भारतीय परम्परा की इस झलक को देखकर माता-पिता सहित उपस्थित अन्य लोगों की भी आँखें गीली हो गयीं । कार्यक्रम में उपस्थित मान्यवरों ने श्री योग वेदांत सेवा समिति के इस सुंदर पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा की । जिले में अब तक 350 से अधिक स्थानों में यह कार्यक्रम किये गए जिसमे लाखो माता-पिता व विद्यार्थियों ने माता-पिता व गुरुजनों का आदर करना सीखा है । इस आयोजन में मुख्य रूप से भुवन साहू, गणेश पटेल,ढारेंद्र साहू, हेमलाल साहू, मोहन साहू, अयोध्या यदु,नंदू बघेल, योगेन्द साहू,अवध साहू, संजयसाहू,रेवाराम पाल सहित सुदर्शन साहू,ओमप्रकाश साहू, विमलसाहू, डॉ. जनक साहू,तोपेश्वर साहू, पालेश्वर साहू, रामकरण साहू, दिलहरण साहू, रामेश्वर साहू,कुशकश्यप, सोनू साहू, राजा देवांगन, मुक्ता बहन, लक्ष्मी बहन,भवशाली, हेमलता, वासनी, प्रियंका, रिंकी साहू का सहयोग रहा ।

संपादकीय

सड़क पर खुले गड्ढे, कब तक बेगुनाह जिंदगियां निगलते रहेंगे

दिल्ली के जनकपुरी इलाके में खुले गड्ढे में गिर कर एक मोटरसाइकिल सवार की मौत की घटना ने फिर यही साबित किया है कि सरकार के संबंधित महकमे किस कदर संवेदनहीन और गैरजिम्मेदार हैं। इस बात की कोई फिक्र नहीं दिखती कि अधिकारियों की लापरवाही से किसी की जान तक चली जा रही है।गौरतलब है कि जनकपुरी इलाके में डिस्ट्रिक सेंटर के नजदीक सीवर पाइपलाइन परियोजना के लिए करीब पंद्रह फुट गहरा गड्ढा खोदा गया था, जो खुला था। गुरुवार रात काम के बाद घर लौटते हुए एक पच्चीस वर्षीय युवक उसी गड्ढे में गिर गया और उसकी मौत हो गई। उसके परिजन रात भर उसे खोजते रहे, लेकिन उन्हें सुबह घटना की जानकारी मिली।खबरों के मुताबिक, घटना की जानकारी एक उप-ठेकेदार को रात में मिल गई थी, मगर उसने न तो पुलिस को बताना जरूरी समझा, न ही समय पर आपातकालीन सेवा को सूचित किया। घटना के तूल पकड़ लेने के बाद दिल्ली जल बोर्ड के तीन इंजीनियरों को निलंबित करने और उप-ठेकेदार को गिरफ्तार करने के अलावा गैरइरादतन हत्या की धारा के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।मगर अधिकारियों की जिस जानलेवा लापरवाही की वजह से एक व्यक्ति की जान चली गई, वह कब तक एक रिवायत की तरह बनी रहेगी। सड़कों के किनारे खुले गड्ढे या मैनहोल में किसी के गिर जाने से बुरी तरह घायल होने या फिर मौत की यह कोई पहली घटना नहीं है। विचित्र यह है कि जो मामले सुर्खियों में आ जाते हैं, उन पर सरकार कार्रवाई करती दिखती है, मगर थोड़े ही दिनों बाद फिर हर तरफ लापरवाही का आलम छाया दिखता है।सीवर के लिए पाइप लाइन या फिर किसी अन्य कार्य की वजह से बड़े-बड़े गड्ढे खोद तो दिए जाते हैं, लेकिन वहां कोई भी सुरक्षा घेरा और खतरे का संकेतक लगाने की जरूरत नहीं समझी जाती। सिर्फ इसी लापरवाही की वजह से अक्सर सड़क किनारे खुले नाले, गड्ढे या मैनहोल में गिर कर किसी की मौत हो जाती है।सवाल है कि इस तरह की बदस्तूर लापरवाहियों की वजह से होने वाली मौत को हत्या की श्रेणी में क्यों नहीं माना जा सकता। अफसोसनाक यह है कि ऐसी घटनाओं के बावजूद संबंधित महकमे और उनके अधिकारी कोई सबक लेने को तैयार नहीं दिखते।

लोकसभा में पीएम मोदी का अभिभाषण होना था, उनको धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देना था। इसके लिए पीएम मोदी लोकसभा में पहुंच भी चुके थे। लेकिन उनका अभिभाषण शुरू होने से पहले ही सदन की कार्यवाही गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्ष के हंगामे की वजह से सदन की कार्यवाही स्थगित की गई। देश में मौजूद गंभीर मुद्दों पर चर्चा और उनके समाधान के प्रयासों के बजाए निहित राजनीतिक स्वार्थों के लिए संसद में दलगत राजनीति भारी पड़ रही है। संसद सत्तारुढ़ और विपक्ष के लिए अखाड़ा बनी हुई है। देश के कर्णधारों को देश की बिगड़ती दिशा–दशा की कोई परवाह नहीं है। दिल्ली अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और अन्य शोधों के अनुसार, वायु प्रदूषण न केवल श्वसन प्रणाली, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। जहरीली हवा के लंबे समय तक संपर्क में रहने से तनाव, चिंता, अवसाद (डिप्रेशन), संज्ञानात्मक हानि और बच्चों में एडीएचडी जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं, जिसे विशेषज्ञ एक 'मानसिक स्वास्थ्य आपातकाल' मान रहे हैं।

समस्याओं के निराकरण के बजाए अखाड़ा बनी संसद

(योगेंद्र योगी)

एरोसोल सूक्ष्म कणों पीएम 2.5 और जहरीली गैसों से दिमागी सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव होता है, जो अवसाद और चिड़चिड़ापन पैदा करता है। प्रदूषण के कारण वयस्कों में भावनात्मक थकान, निर्णय लेने की क्षमता में कमी और बच्चों में सीखने में कठिनाई देखी जा रही है। लंबे समय तक प्रदूषित हवा में रहने से अल्जाइमर और पार्किंसंस जैसे तंत्रिका अपक्षयी विकारों का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययन बताते हैं कि पीएम 2.5 के एरोसोल घटक, डिप्रेशन और चिंता से सीधे जुड़े हैं। एम्स की एक अन्य रिसर्च में स्पीच एनालिसिस तकनीक के जरिए डिप्रेशन की पहचान की जा रही है, जो बताता है कि मानसिक स्वास्थ्य पर प्रदूषण का असर कितना गहरा है। विशेषज्ञों के अनुसार, स्मॉग के दौरान बाहर निकलने से बचें, मास्क का उपयोग करें, घर में एयर प्यूरीफायर लगाएं और तनाव कम करने के लिए योग व स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं। इसी तरह इंडियन साइकियाट्रिक सोसायटी की 77वीं वार्षिक राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में विशेषज्ञों ने बताया कि आज भारत में करीब 60 प्रतिशत मानसिक रोग 35 साल से कम उम्र के लोगों में पाए जा रहे हैं। यह आंकड़ा इसलिए चिंताजनक है क्योंकि यही उम्र पढ़ाई पूरी करने, करियर बनाने और समाज में सक्रिय भूमिका निभाने की होती है। अगर इसी समय मानसिक समस्याएं शुरू हो जाएं और उनका इलाज न हो, तो इसका असर पूरी जिंदगी पर पड़ सकता है। कांफ्रेंस में यह भी बताया गया कि कोविड-19 महामारी, आर्थिक अस्थिरता और बदलती सामाजिक संरचना ने युवाओं के तनाव को और बढ़ा दिया है। महामारी के बाद पढ़ाई, नौकरी और भविष्य को लेकर अनिश्चितता ने चिंता और डिप्रेशन के

मामलों में इजाफा किया है। जिम्मेदार राष्ट्र सूचकांक-2026 में सिंगापुर पहले स्थान पर काबिज है, वहीं भारत 16वें नंबर पर है। रिपोर्ट में यह आंका गया है कि कोई देश अपने लोगों और पूरी दुनिया के लिए कितना जिम्मेदार है। इस सूची में सिंगापुर को दुनिया का सबसे जिम्मेदार देश घोषित किया गया है। सिंगापुर ने शासन, समाज और पर्यावरण के क्षेत्र में बेहतर काम करके पहला स्थान हासिल किया है। इसी तरह साल 2026 के ग्लोबल सॉफ्ट पावर इंडेक्स में भारत 48.0 के स्कोर के साथ इस फेहरिस्त में 32वें स्थान पर है। यह पिछले साल के मुकाबले दो स्थान नीचे और 1.8 अंक कम है। सॉफ्ट पावर किसी देश की उस क्षमता को कहते हैं, जिसमें वह सैन्य बल के बजाय अपनी संस्कृति और मूल्यों से दूसरे देशों को प्रभावित करता है। विश्व रैंकिंग में भारत का स्थान और घरेलू आतंरिक चुनौतियों पर चर्चा और इनके समाधान के बजाए सबसे बड़ा लोकतांत्रिक मंच संसद तमाशा बनी हुई है। सांसद देश की वास्तविक समस्याओं पर चर्चा करने के बजाए गरिमा को तार–तार करने में लगे हुए हैं। संसद के मौजूदा सत्र में लोकसभा में भारी हंगामे के दौरान कुछ सांसदों ने स्पीकर के आसन की ओर कागज फेंके, जिसके बाद उन्हें सत्र की बाकी अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया। यह कार्रवाई संसदीय कार्य मंत्री के प्रस्ताव पर हुई, जिसे सदन ने मंजूर कर लिया। दरअसल, राहुल गांधी को बोलने से रोके जाने पर विपक्षी दल भड़क गए थे और हंगामा शुरू कर दिया था। इस मामले में कुल आठ सांसदों पर कार्रवाई हुई और उन्हें निलंबित कर दिया गया। लोकसभा में पीएम मोदी का अभिभाषण होना था, उनको धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देना था। इसके लिए पीएम मोदी लोकसभा में पहुंच भी चुके थे। लेकिन उनका अभिभाषण शुरू होने से पहले ही सदन की कार्यवाही गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्ष के हंगामे की वजह से सदन की कार्यवाही स्थगित की गई। भारत- यूएस ट्रेड डील पर केंद्रीय वाणिज?य मंत्री पीयूष गोयल ने सरकार का पक्ष रखना शुरू किया था, तो विपक्षी सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया था। पीयूष गोयल ने इस दौरान कहा कि भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील पर कहा कि इसमें किसानों के हितों को सुरक्षित रक्षा गया है। इससे पहले राहुल गांधी आज फिर संसद में पूर्व आर्मी चीफ नरवणे की वो किताब लेकर पहुंचे। लोकसभा में लगातार हंगामा होता रहा। यही वजह है देश के युवा और उद्यमियों का लगातार भारत से मोह भंग हो रहा है। पिछले साल 2024 में भारत के दो लाख से भी ज्यादा अमीर लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ दी। भारत छोड़कर विदेशों में बसने का चलन साल दर साल लगातार बढ़ रहा है। भारत की लाइफस्टाइल और यहां की आबो-हवा पसंद नहीं आ रही है, लेकिन उनको विदेशी धरती की लाइफस्टाइल ज्यादा लुभावनी और सुरक्षित लग रही है। साल 2024 में 2 लाख 6 हजार लोगों ने भारत की नागरिकता छोड़ दी। साल 2023 में 2 लाख 16 हजार 219 लोगों ने भारत की नागरिकता छोड़ दी थी। विशेषज्ञों का मानना है कि शिक्षा और नौकरियों के सीमित अवसर, सामाजिक असमानता और राजनीतिक माहौल लोगों को देश छोड़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। देश के बजाए निहित राजनीतिक हितों को प्राथमिकता देने से समस्याओं का अंबार कम होने का नाम नहीं ले रहा है। इससे पहले कि हालात बेकाबू हों देश के कर्णधार जिम्मेदारी का एहसास करें और समस्याओं के निदान में गंभीरता दिखाएं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

रोमांस, ब्रेकअप और रियलिटी- दशकों के साथ बदला बॉलीवुड में लव स्टोरी का चलन

(गुंजनशर्मा)

फिल्मों में बदलते प्यार के चलन को अलग-अलग दौर में कैसे दर्शाया गया, ये हमने इस खबर में बताया है। हर दशक के साथ प्यार की परिभाषा बदलती गई और अब ये जुनून में बदल चुकी है।

हाल ही में धनुष और कृति सेनन की फिल्म 'तेरे इश्क में' काफी चर्चा में रही। वैसे तो ये एक रोमांटिक ड्रामा जॉनर की फिल्म बताई गई, लेकिन जिसने भी इसे देखा वो इस उलझन में पड़ गया कि आखिर ये कैसा प्यार है? दर्शकों को ये समझ ही नहीं आया कि अगर लड़की, लड़के से प्यार करती थी तो उसे ये बात समय रहते क्यों नहीं पता चली? लड़का, उस लड़की के प्यार में इतना दीवाना हो गया कि उसने अपने पिता के जीते जी उसकी तकलीफ को नहीं समझा? लड़की प्यार में रहते हुए किसी और के साथ शादी करके अपने पति का बच्चा किस हक से लड़के को सौंपने आई? कुल मिलाकर इस फिल्म ने सबको कन्फ्यूज कर दिया और इसे लेकर तरह-तरह के मीम बनने लगे और लोग इस फिल्म पर सवाल उठाने लगे कि 'ये कैसा इश्क'?

दशकों से हिंदी सिनेमा ने प्यार को अलग-अलग तरीके से पेश किया गया है। कभी ये प्यार त्याग और बलिदान का प्रतीक रहा, कभी एक तरफा और मासूम रहा तो कभी जुनून भरा बन गया। समय के साथ समाज बदला, फैशन बदला, चलन बदला यहां तक की रिश्तों की समझ तक बदल गई और उसी के साथ बदलती गई फिल्मों में प्यार की कहानी। अगर आज हम पीछे मुड़कर देखें तो समझ आता है कि बॉलीवुड की लव स्टोरीज भारतीय समाज के इतिहास की दर्शाती रही हैं।इस दौर की लव स्टोरी सामाजिक मर्यादाओं और नैतिक मूल्यों के बारे में हुआ करती थीं। पुरानी फिल्मों में दिखाया जाता था कि प्यार अपनी भावनाओं से ज्यादा समाज औ समाज की जिम्मेदारियों के आगे झुक जाता था। इसका सबसे बड़ा उदाहरण मुग़ल-ए-आज़म फिल्म थी, जिसमें सलीम और अनारकली का प्यार सत्ता से टकराता है और हमेशा के लिए अमर हो जाता है। इसके अलावा 'देवदास' भी इसका बड़ा उदाहरण है।

इस समय तक समाज में बदलाव शुरू हो चुका था और सिनेमा भी वास्तविक्ता दिखाई जाने लगी। प्रेम अब सिर्फ सपनों की दुनिया तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसमें दर्द, अकेलापन और संघर्ष भी जुड़ने गया। इसका बड़ा उदाहरण कमल हासन और श्रीदेवी की फिल्म 'सदमा' थी, जिसमें रोमांटिक रिश्ता नहीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव और निस्वार्थ सेवा दिखाई गई है। ये वो दौर था जब प्यार हमेशा हासिल करना मुश्किल होने लगा। ये वो दौर था, जिसे बॉलीवुड का सबसे रोमांटिक दौर माना जाता है। इस दशक में प्यार के साथ-साथ फिल्मों में रोमांस को भी जगह मिलने लगी और हर फिल्म का अंत खुशहाल होने लगा। उस दौर में आई 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' आज भी बेस्ट रोमांटिक फिल्म मानी जाती है। इस फिल्म का रियल लाइफ कपल्स पर भी काफी गहरा असर पड़ा था और उन्होंने घरवालों के सामने अपने प्यार को स्वीकार करना शुरू कर दिया था। लेकिन ये ही वो दौर था जब 'डर' जैसी फिल्में भी आई, जिसमें प्यार में दीवानापन भी दिखाया गया। 2000 शुरू होते ही बॉलीवुड में एक और नया चलन शुरू हो गया। अब वो दौर था जब मॉर्डन लव दिखाया जाने लगा, इसमें रिश्तों में प्यार के अलावा करियर, आत्मनिर्भरता और असुरक्षा जैसे मुद्दे भी दिखाए जाने लगे। इसके उदाहरण में 'लव आज कल' जैसी फिल्में शामिल हो गईं। इस दौर में ब्रेकअप को भी उतनी ही गंभीरता से दिखाया गया जितना रोमांस को। 2010 के बाद से बॉलीवुड में प्यार थोड़ा मुश्किल दिखाया जाने लगा। अब कहानियां परफेक्ट जोड़ों की नहीं, बल्कि अधूरे रिश्तों की दिखाई जाने लगीं। कई फिल्मों में प्यार ऐसा दिखाया गया, जिसमें प्यार में पड़ा एक पार्टनर खुद को समझने के चक्कर में रिश्ते को ही खराब कर देता है। इनमें 'तमाशा' फिल्म बड़ा उदाहरण है, जिसमें रणबीर सिंह और दीपिका पादुकोण खुद की पहचान छिपाकर मिलते हैं और प्यार में पड़ जाते हैं। मगर जब वो एक दूसरे की सच्चाई से वाखिफ होते हैं तो चीजें खराब होने लगती हैं। हालांकि इस फिल्म का अंत अच्छा है। इस दौर में दिखाया गया कि प्यार हमेशा सही नहीं होता, लेकिन सच्चा हो सकता है। फिर आता है ये दौर जब 'तेरे इश्क में' जैसी फिल्में आ रही हैं। अब इसके बाद शाहिद कपूर की 'रोमियो' भी आने वाली है, जो बदले की भावना से प्रेरित एक प्रेम कहानी पर आधारित है। जिसमें एक गैंगस्टर एक महिला को उसके पति की हत्या के बाद दाऊद इब्राहिम को मारने की साजिश रचने में मदद करता है।

कृषि उपज के लिए बाजार को खोलना यानी बवंडर को निमंत्रण

भारतीय किसानों के आशंकित होने की वजह रोलिंग्स का बयान ही नहीं, अमेरिकी कृषि विभाग की कोशिशें भी हैं। रोलिंग्स ने व्यापार समझौते पर तीन फरवरी को एक्स पर खुशी जताते हुए लिखा कि यह समझौता अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारत के विशाल बाजार में अधिक निर्यात करने में मदद करेगा, जिससे अमेरिकी कृषि उत्पादों की कीमतें बढ़ेंगी। इसमें दो राय नहीं है कि संयुक्त राज्य अमेरिका बरसों से भारतीय कृषि बाजार में बड़ी और व्यापक पहुंच हासिल करने की कोशिश में है। हाल ही में अमेरिका के साथ भारत ने महत्वपूर्ण व्यापार समझौता किया है।

(उमेश चतुर्वेदी)

अमेरिकी बाजारों में भारतीय सामान 18 प्रतिशत के ही टैरिफ पर उपलब्ध हो सकेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय सामानों पर मनमाने तरीके से थोपे गए पचास प्रतिशत के टैरिफ के मुकाबले मौजूदा व्यापार समझौते के तहत अमेरिका की ओर से प्रस्तावित 18 प्रतिशत का टैरिफ कम ही कहा जाएगा। हालांकि अतीत के करीब तीन प्रतिशत के मुकाबले फिर भी यह बहुत ज्यादा है। बहरहाल इसी समझौते के मद्देनजर जिस तरह से अमेरिकी कृषि मंत्री ब्रुक लेस्ली रोलिंग्स ने खुशी जताई, उससे भारतीय किसान आशंकित हो उठे।भारतीय किसानों के आशंकित होने की वजह रोलिंग्स का बयान ही नहीं, अमेरिकी कृषि विभाग की कोशिशें भी हैं। रोलिंग्स ने व्यापार समझौते पर तीन फरवरी को एक्स पर खुशी जताते हुए लिखा कि यह समझौता अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारत के विशाल बाजार में अधिक निर्यात करने में मदद करेगा, जिससे अमेरिकी कृषि उत्पादों की कीमतें बढ़ेंगी। इससे ग्रामीण अमेरिका में नकदी आएगी। रोलिंग्स यहीं पर नहीं रूके। उन्होंने सिर्फ 2024 के आंकड़ों का हवाला देते हुए लिखा कि भारत के साथ कृषि कारोबार के चलते अमेरिका को 1.3 अरब डॉलर का घाटा हो रहा है। रोलिंग्स ने उम्मीद जताई कि नए व्यापार समझौते की वजह से विशाल आबादी वाला भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए महत्वपूर्ण बाजार हो सकता है।

रोलिंग्स की इस खुशी की वजह से भारतीय किसानों का आशंकित होना जायज है। अमेरिका का कृषि व्यापार घाटा पचास अरब डॉलर है, इसलिए वह लगातार कोशिश करता रहा है कि भारत अपने कृषि बाजारों को खोले। भारत की चिंता की वजह उसकी खेती-किसानी वाली बड़ी जनसंख्या है। भारत के छियासी प्रतिशत किसान सीमांत या लघु हैं। जिनकी जोत दो हेक्टेयर से कम है। भारत में खेती पर करीब 10.7 करोड़ परिवार निर्भर हैं। यह जनसंख्या का करीब बासठ प्रतिशत है। अगर अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारतीय बाजारों में घुसने की अनुमति मिलती है तो भारी सब्सिडी के चलते भारतीय बाजार अमेरिकी कृषि उत्पादों से भर जाएंगे। इससे भारतीय उत्पादों की मांग घट सकती है। इससे भारतीय किसानों के सामने संकट उठ खड़ा हो सकता है।

किसानों की आशंकाओं को विपक्षी दलों ने अपने ऊंचे सुरों से और बढ़ाया ही है। लेकिन कृषि, किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह का कहना है कि भारत-अमेरिकी व्यापार समझौते में भारतीय कृषि और डेयरी क्षेत्र के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया गया है और किसानों के हित पूरी तरह सुरक्षित हैं। चौहान का यह भी कहना है कि इस कारोबारी समझौते से देश के मुख्य खाद्यान्नों, मिलेट्स, फलों,सब्ज़ियों और डेयरी उत्पादों को पूरी तरह अलग रखा गया है। इस लिहाज से देखें तो इस कारोबार समझौते से देश के कृषि और डेयरी क्षेत्र पर किसी प्रकार का खतरा नहीं है। शिवराज सिंह चौहान के मुताबिक, इस समझौते से भारतीय किसानों को नए अवसर मिलेंगे,क्योंकि इस समझौते में कृषि क्षेत्र को नुकसान पहुंचाए, ऐसा कोई प्रावधान नहीं किया गया है। भारत अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों को चावल का बड़ा निर्यातक है। हालिया आंकड़ों के अनुसार, भारत की ओर से अमेरिका समेत कई

देशों को करीब 63 हजार करोड़ के चावल का निर्यात कर चुका है। भारत सरकार का दावा है कि नए टैरिफ समझौते से भारतीय किसानों के चावल और मसालों के साथ ही टेक्सटाइल का निर्यात बढ़ेगा।

भारत-अमेरिकी समझौते के तहत भारत को अमेरिका से पांच सौ अरब डॉलर का सामान पांच सालों में खरीदना है। वैसे समझौते पर जो संयुक्त वक्तव्य जारी हुआ है, उसके तहत भारतीय कृषि बाजार को भी खोलने की बात कही गई है। लेकिन सरकारी सूत्रों का कहना है कि इस समझौते से, भारतीय चावल, गेहूं, सोया और मक्का जैसे अनाजों को बाहर रखा गया है और साथ ही ट्रेड डील से चीनी और डेयरी प्रोडक्ट्स भी बाहर हैं। ऐसा करने की वजह यह है कि भारतीय किसान और डेयरी उद्योग को कारोबारी परेशानियां न झेलनीं पड़ें। वैसे भी भारत लंबे समय से कृषि और डेयरी उद्योग को 'रेड-लाइन' यानी किनारे रखने वाला सेक्टर मानता रहा है। इसकी वजह है कि गांवों में इनसे जुड़े काफी रोजगार हैं। इन सेक्टर को खोलने को लेकर भारत की बातचीत यूरोप और ब्रिटेन से भी अटक चुकी है। ऐसे में अमेरिका के लिए इस बाजार को खोलना भारतीय किसानों के लिए नुकसानदायक तो होगा ही, राजनीतिक बवंडर की वजह भी बन सकता है। इस बवंडर का सामना करने की हिम्मत विरली राजनीतिक ताकतें ही कर सकती हैं। इस समझौते से भारतीय निर्यातकों, खासतौर पर एमएसएमई, किसानों और मछुआरों के लिए तीन लाख अरब अमेरिकी डॉलर का बड़ा बाजार खुलने की उम्मीद है। इसकी वजह से जो निर्यात बढ़ेगा, उससे महिलाओं और युवाओं के लिए लाखों नए रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना जताई जा रही है। भारत मक्का, गेहूं, चावल, सोया, मुर्गी पालन, दूध, पनीर, एथनॉल, तंबाकू, सब्जियां और मांस सहित संवेदनशील कृषि और दुग्ध उत्पादों को पूर्ण रूप से संरक्षित करेगा। दोनों देश अपने-अपने हित वाले क्षेत्रों में एक-दूसरे को तरजीही बाजार पहुंच प्रदान करने को लेकर प्रतिबद्ध हैं।

आंकड़ों के अनुसार, साल 2024 में भारत ने अमेरिका से 2.4 अरब डॉलर के कृषि उत्पाद आयात किए थे, जिनमें ज्यादातर ताजे फल, सूखे मेवे, बादाम, अखरोट मादक पेय, कच्चा कपास, वनस्पति तेल और प्रोसेस्ड सामान हैं। दूसरी तरफ भारत ने अमेरिका को 6.2 अरब डॉलर का कृषि निर्यात किया, जिनमें समुद्री उत्पाद, मसाले, डेयरी उत्पाद, चावल, जड़ी-बूटियों के आयुर्वेदिक उत्पाद प्रमुख रहे। यह भारत के कुल 53.2 अरब डॉलर सालाना के कृषि निर्यात का 11.74 प्रतिशत है। कृषि और डेयरी उत्पाद के कारोबार के इसी असुंलन की वजह से अमेरिका भारतीय बाजार में घुसने की लगातार कोशिश कर रहा है। लेकिन भारतीय सूत्र इससे साफ इनकार कर रहे हैं। भारत के सामने संकट यह है कि अगर उसने इस क्षेत्र को खोला तो छोटे और सीमांत किसानों के सामने जो चुनौतियां खड़ी होंगी, उनसे वह कैसे निबट पाएगा। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सूर्यास्त के बाद नियमित रूप से दीप जलाना शुभ

हमारे सनातन धर्म में शाम के समय तुलसी के पास दीप जलाना बहुत ही शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे घर में सुख-शांति बनी रहती है। इसके अलावा कई लोग रोज शाम को घर की चौखट पर भी दीया जलाते हैं। दरअसल सूर्यास्त के बाद नियमित रूप से दीया जलाने से घर में पॉजिटिव एनर्जी आती है। ऐसा कहा जाता है कि ऐसा रोज करने से घर में मां लक्ष्मी का आगमन होता है। बात करें घर की चौखट पर दीया जलाने की तो इससे आर्थिक परेशानियों से राहत मिलती है। साथ ही इससे घर का माहौल पवित्र और शांत होता है। हालांकि, दीया जलाने की सही विधि जानना भी जरूरी होता है। दीये की सही दिशा, स्थान और साफ-सफाई जैसे कई नियम हैं, जिनके बारे में हमें पता होना चाहिए।

दीप जलाते वक्त रखें इन नियमों का ध्यान

1. आप जिस जगह भी दीया जलाने वाले है, वहां की साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें। इतना जान लें कि गंदी जगह पर दीया जलाना शुभ नहीं है। शाम में जब भी आप दीया जलाने जाए तो सबसे पहले उस जगह को साफ कर लें जहां पर आपको दीया रखना है। अगर गंदी जगह पर ही दीया जला दिया जाता है तो माना जाता है कि इससे घर में नेगेटिविटी आराम से आ सकती है।

2. सूर्यास्त के बाद दीया जलाना सही माना जाता है। बता दें कि सूर्यास्त के बाद प्रदोष काल होता है और इसी समय दीया जलाने से घर में पॉजिटिविटी आती है लेकिन देर रात ऐसा नहीं करना चाहिए। कुछ विशेष दिनों को छोड़ रात में दीया जलाना सही नहीं माना जाता है।

3. दीया में तेल डालना है या फिर घी? इसे लेकर कई लोगों में कन्फ्यूजन बना रहता है। बता दें कि घर के मंदिर में घी का दीया जलाना शुभ होता है। वहीं घर के बाहर या फिर तुलसी मां के पास दीया जलाने के लिए सरसों के तेल या फिर तिल के तेल का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

4. सबसे जरूरी चीज जिसे लेकर अधिकतर लोग गलती करते हैं और वो है दीए की सही दिशा। बहुत से लोगों को नहीं पता होता है कि दीए को किस दिशा में जलाना सही होता है। बता दें कि वास्तु के हिसाब से दीए को हमेशा ईशान कोण की ओर ही जलाना शुभ होता है। हर एक पूजा के लिए दिशाएं अलग-अलग हो सकती हैं।

5. जब भी आप दीया जलाने जाए तो ये सुनिश्चित करें कि आपके हाथ साफ हो। कभी भी गंदे हाथ से दीए को ना जलाएं। ऐसा करने से घर में नेगेटिविटी ही आएगी। ऐसे में साफ-सुथरे हाथ के साथ ही दीया जलाएं। इसके अलावा कभी भी दीए को फूंक मारकर ना बुझाएं। साथ ही दीया जलाने के तुरंत बाद ही दरवाजा नहीं बंद कर लेना चाहिए।

घर बनवाने से पहले जान लें ये वास्तु नियम

ना करें ये गलतियां

नए घर का निर्माण करवाते समय लोग शुभ मुहूर्त का ध्यान रखते हैं। वहीं, वास्तु शास्त्र में घर बनवाने को लेकर कई बातें बताई गई हैं। कहते हैं यदि घर बनवाते समय वास्तु के नियमों का पालन किया जाए, तो जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। लेकिन जब घर वास्तु के अनुरूप नहीं बना हो, तो इसका नकारात्मक प्रभाव जीवन में पड़ता है। इससे घर की सुख और शांति छिन जाती है। ऐसे में घर बनवाते समय वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। ऐसा करने से जीवन में खुशहाली आती है और धन-धान्य में कोई कमी नहीं रहती है।

नींव से जुड़े वास्तु नियम

घर बनवाते समय सबसे पहले नींव रखी जाती है। घर की नींव हमेशा उचित दिशा में होना आवश्यक होता है। वास्तु के मुताबिक नींव की खुदाई और भूमि पूजन हमेशा ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा से ही कराना चाहिए। इसे सुख-समृद्धि की दिशा कहते हैं। इसे भगवान शिव का निवास स्थान और देवताओं की दिशा भी माना गया है। यह ज्ञान, विद्या और सकारात्मक ऊर्जा का मुख्य स्त्रोत है। इसके अलावा पश्चिम की दिशा को सबसे अंतिम में खोदना चाहिए। वहीं, दक्षिण की दिशा में नींव भरने का काम करना चाहिए। मकान में सबसे पहले दक्षिण की दीवार और उसके बाद पश्चिम की दिशा की दीवार बनवानी चाहिए। सबसे अंत में उत्तर व पूर्व दिशा में दीवार बनवाएं।

वास्तु के अनुसार, मकान की नींव में पहली ईंट हमेशा स्थिर लग्न, शुभ मुहूर्त और शुभ दिन पर ही कराना चाहिए। इससे बाधाएं नहीं आती है। साथ ही घर में सुख और समृद्धि बनी रहती है। इसके अलावा धन के योग भी बनते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि जिस लग्न अथवा राशि में आप नींव रखें वह आठवीं नहीं होनी चाहिए।

नहीं लगवाएं पुरानी चीजें

मकान बनवाते समय कुछ चीजों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। जैसे कुछ लोग मकान में पुरानी लकड़ी, लोहा आदि लगवाते हैं। लेकिन यह वास्तु के हिसाब से ठीक नहीं है। ऐसा करने से आर्थिक स्थिति गड़बड़ा सकती है। इसका असर सेहत पर भी पड़ता है। साथ ही वास्तु देवता भी नाराज हो जाते हैं।

बीच में ना रोकें कार्य

घर निर्णाण कार्य यदि आपने शुरू करवा दिया है, तो बीच-बीच में इसे नहीं रोकना चाहिए। इसे कंप्लीट करवाकर ही बैठें। मान्यता है कि इससे राहु का वास हो जाता है। इससे घर के सदस्यों में मनमुटाव रहता है। साथ ही छोटी-छोटी बातों पर झगड़े होने लगते हैं।

खिड़की और नल की दिशा

मकान बनवाते समय खिड़कियों का पूरा ध्यान रखें। घर में खिड़कियों की जगह हमेशा उत्तर व पूर्व में होनी चाहिए। घर में बड़ी से बड़ी खिड़की बनाने का प्रयास करें। साथ ही नल की दिशा का भी ध्यान रखें। पानी का नल लगाने के लिए उत्तर या पूर्व की दिशा सबसे अच्छी मानी गई है। भूलकर भी किसी नल को दक्षिण या पश्चिम दिशा में नहीं लगाना चाहिए।

बिना मेकअप के सुंदर दिखने के ब्यूटी हैक्स

असली खूबसूरती वो नहीं होती, जो मेकअप की परतों के पीछे छिपी हुई रहती है, बल्कि वो है जो सुबह बिना चेहरा धोए भी फ्रेश और ग्लोइंग लुक देती है। अक्सर लोग चेहरे की चमक बनाए रखने के लिए महंगे कॉस्मेटिक्स का सहारा लेते हैं, जो लंबे समय में केमिकल मौजूद होने की वजह से आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में क्या आप जानते हैं 6 ब्यूटी हैक्स ऐसे हैं, जो आपकी त्वचा को बिना नुकसान पहुंचाएं दमकता निखार दे सकते हैं। जी हां, बिना मेकअप के 'ग्लो' करना पूरी तरह से आपकी सेहत, अनुशासन और स्किन की बुनियादी देखभाल पर निर्भर करता है। आइए जानते हैं ऐसे ब्यूटी हैक्स, जिनकी मदद से आप भी पा सकते हैं बिना मेकअप लुक।

त्वचा को हाइड्रेट रखें

दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी पिएं। ऐसा करने से चेहरे के टॉक्सिन्स बाहर निकालने की वजह से त्वचा पर नेचुरल निखार आता है। हफ्ते में 2-3 बार नारियल पानी पीने से त्वचा में नमी बनी रहती है।

'CTM' रूटीन को फॉलो करें

बिना मेकअप के त्वचा को हेल्दी और ग्लोइंग बनाए रखने के लिए स्किन का साफ और हेल्दी रखना जरूरी है। इसके लिए दिन में दो बार माइल्ड फेसवॉश से चेहरा धोएं। टोनिंग करने के लिए गुलाब जल का इस्तेमाल टोनर की तरह करें, यह रोमछिद्रों को टाइट रखता है। चेहरे को मॉइस्चराइज रखने के लिए अपनी स्किन टाइप के अनुसार मॉइस्चराइजर जरूर लगाएं।

सनस्क्रीन भी है जरूरी

भले ही आप घर के अंदर हों, SPF 30 या उससे ऊपर का सनस्क्रीन चेहरे को यूवी किरणों से बचाने के लिए जरूर लगाएं। यह पिगमेंटेशन, काले धब्बे और समय से पहले आने वाली झुर्रियों से बचाव करता है।

आंखों और होंठों का ख्याल रखें

डार्क सर्कल्स से बचाव करने के लिए 7-8 घंटे की नींद लें। आंखों के नीचे ठंडे टी-बैग्स या खीरे के स्लाइस रखें। होंठों का गुलाबी निखार बनाए रखने के लिए रात को सोते समय होंठों पर घी या मलाई लगाएं। हफ्ते में एक बार चीनी और शहद से होंठों को स्क्रब करें।

आइब्रो और बालों को संवारें

अच्छी तरह से बनी हुई आइब्रो आपके चेहरे को एक स्ट्रक्चर देती हैं और आप बिना मेकअप के भी प्रेजेंटेबल लगती हैं। बालों को साफ रखें और अपने चेहरे के हिसाब से एक अच्छा हेयरकट लें।

अच्छी डाइट और एक्सरसाइज

अपनी डाइट में फल, हरी सब्जियां और नट्स शामिल करें। रोजाना 20 मिनट की एक्सरसाइज या योग करने से चेहरे पर 'ब्लड सर्कुलेशन' बढ़ता है, जिससे चेहरे पर नेचुरल गुलाबी निखार आता है।

बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए न्यूट्रिशन की जरूरत

बढ़ते हुए बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए ढेर सारे न्यूट्रिशन की जरुरत होती है,लेकिन काफी सारे बच्चों की डाइट में इन न्यूट्रिशन की पूर्ति नहीं हो पाती। जिसकी वजह से उनके फिजिकल और मेंटल हेल्थ पर असर पड़ता है। काफी सारे बच्चों की हाइट नहीं बढ़ती तो वहीं काफी सारे बच्चों का माइंड शार्प नहीं होता या उनकी मेमोरी शार्प नहीं होती। जिससे पढ़ा-लिखा भूल जाते हैं। अगर आप बच्चे के फिजिकल और मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाना चाहती हैं तो उसे दूध में मिलाकर इन चीजों को दें। जो ना केवल फिजिकल बल्कि मेंटली भी स्ट्रांग बनाने में मदद करेंगे।

दूध में इन चीजों को मिलाकर पिलाएं

500 मिली उबले दूध को मिक्सर जार में डालें। ध्यान रहे कि ये दूध बहुत ज्यादा गर्म ना हो। दूध को हल्का गर्म ही रखें। उसमे दस भीगे बादाम, दस भीगे अखरोट को डालें। साथ ही आधा छोटा चम्मच शतावरी पाउडर, एक छोटा चम्मच अश्वगंधा पाउडर, एक चम्मच भुने सफेद तिल को मिलाएं। मिठास के लिए थोड़ा सा शहद मिला लें। अब ब्लेंडर में पीस लें।

रोजाना पिलाएं

बच्चों को रोजाना सुबह खाली पेट और रात को सोने से पहले एक कप दूध को पिलाएं। इससे बढ़ते हुए बच्चे जो दस से बारह साल की उम्र में होते हैं। उनमे हार्मोन को रेगुलेट करने के साथ ही हड्डियों के विकास में भी मदद करते हैं। लेकिन ध्यान रहे कि बच्चे को किसी तरह की बीमारी हो या फिर बच्चे के लिए खास तरह की खानपान से जुड़ी सावधानियां बताई गईं हो तो उन्हें ये दूध नहीं पिलाना चाहिए। या पिलाने से पहले डॉक्टर से कन्सर्ट कर लेना चाहिए। शतावरी की एक-एक ग्राम मात्रा मिलाकर बच्चों को देने से उनकी हाइट को बढ़ाने में मदद मिलती है।

अश्वगंधा और शतावरी के फायदे

बादाम और अखरोट में मौजूद तत्व माइंड की ग्रोथ में जरूरी भूमिका निभाते हैं। आयुर्वेद में अश्वगंधा और शतावरी के कई सारे फायदे बताए गए हैं। बच्चों की हाइट बढ़ानी हो तो उन्हे अश्वगंधा मददगार होती है।

गमले में कैसे उगाएं तेज पत्ता?

खाने का जायका बढ़ाने में तेज पत्ता काफी मदद करता है। 1-2 तेज पत्ता अगर सब्जी में डाल दिया जाए, तो इसकी खुशबू से पूरी सब्जी महक उठती है। तेज पत्ता सेहत के लिए काफी फायदेमंद भी होता है। तेज पत्ता में यूजेनॉल, लिनालूल और सिनोल जैसे तत्व पाए जाते हैं। इसके अलावा इसमें विटामिन A, विटामिन C, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम और पोटेशियम भी भरपूर मात्रा में होता है।

तेजपत्ता का पौधा लंबा होता है, इसलिए गमला थोड़ा बड़ा चुनें। इसमें अच्छी मिट्टी भरें और गोबर-चायपत्ती मिक्स करके डालें। इससे मिट्टी को पोषण मिलेगा और खाद्य बन जाएगी। गमले में पानी निकासी के लिए नीचे की ओर छोटा सा छेद बनाएं। मिट्टी को इसमें अच्छे से भर दें और हाथों से दबाएं। फिर तेजपत्ता के पौधे की कटिंग या फिर बीज लाकर मिट्टी में डालना होगा।

मिट्टी में 4-5 इंच गड्ढा करें और इसमें कटिंग या बीज को डालकर दबाएं। जरा सा पानी डालकर कटिंग-बीज को अच्छे से सेट करें। पौधे की कटिंग से तेजपत्ता जल्दी निकल आएगा और ये आपको किसी भी नर्सरी से मिल जाएगी। पौधे को लगाने के बाद 2 दिन तक पानी बिल्कुल न डालें। जब मिट्टी पूरी तरह से सूखी नजर आए, तभी इसमें पानी डालें। ज्यादा पानी देने से पौधे की मिट्टी और इसकी जड़े सड़ जाएगी। इस गमले को रोजाना 5-6 घंटे की धूप दिखाना भी जरूरी है, वरना पौधा मुरझा जाएगा। 15 दिन में एक बार गोबर, चाय पत्ती या जैविक खाद्य जैसे फल-सब्जियों के छिलके इसमें डाल दें। इससे मिट्टी पोषण से भरपूर रहेगी और पौधा जल्दी निकलेगा। कीड़ों से बचाने के लिए मिट्टी में नीम के तेल का छिड़काव करें। इससे पौधे में कीड़े नहीं लगेंगे। महीने भर में पौधे में छोटी पत्तियां निकलने लगेंगी और ये धीरे-धीरे बढ़ेंगी। फिर आप इन्हें तोड़कर धूप में सुखाएं। बाजार जैसा तेजपत्ता तैयार हो जाएगा। बिना सुखाए भी तेजपत्ते का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसकी खुशबू सब्जी का स्वाद बढ़ा देगी।

हर पेरेंट्स चाहते हैं कि उनका बच्चा बड़ा हो कर एक समझदार, दयालु और इमोशनली स्ट्रांग इंसान बने। लेकिन बच्चे में ये गुण सख्ती, डांट या लंबे उपदेशों से नहीं आते। ये रोज के छोटे व्यवहारों से बनते हैं, जो आप अपने बच्चे को सिखाते और दिखाते हैं। बच्चा आपकी बातें कम और आपका व्यवहार ज्यादा अपनाता है, खासकर तब जब आप थके हों, नाराज हों या हालात आपके मन के अनुसार ना हों। ऐसे पलों में आप जो व्यवहार करते हैं, बच्चा भी वही सीखता है।

बच्चों को दें अच्छे संस्कार

बच्चे को रिएक्ट करने से पहले रुकना सिखाएं

जब आपका बच्चा गुस्से में तुरंत बोल देता है या कुछ कर बैठता है, तो उसे बस चुप कराने की कोशिश ना करें। उसे यह सिखाएं कि गुस्सा आने पर तुरंत रिएक्ट करने के बजाय थोड़ी देर रुकना चाहिए। आप उसे समझा सकते हैं कि रुकने से दिमाग शांत होता है और इससे सही फैसला लेना आसान होता है। यह आदत आपके बच्चे को खुद पर कंट्रोल करना सिखाएगी, जो जीवन में बहुत काम आती है।

दूसरों की बातों को ध्यान से सुनना सिखाएं

जब आप अपने बच्चे की बात ध्यान से सुनते हैं, तो वह खुद को महत्वपूर्ण महसूस करता है। इसी तरह आप उसे भी सिखा सकते हैं कि दूसरों की बात बीच में ना काटें और पूरा सुनें। इससे उसके अंदर सम्मान और समझ पैदा होती है। ऐसे बच्चे आगे चलकर रिश्तों को बेहतर तरीके से निभा पाते हैं।

गलती मानना सिखाएं

आप अपने बच्चे को यह जरूर सिखाएं कि गलती होना आम है। इसलिए जब भी गलती हो जाए तो उसे एक्सेप्ट कर लेना चाहिए। आप खुद भी अपनी गलती मानते हैं, तो बच्चा भी यही सीखता है। उसे समझ आता है कि सच्ची हिम्मत गलती छिपाने में नहीं, बल्कि उसे स्वीकार करने में है। इससे उसमें ईमानदारी और आत्मविश्वास आता है।

पावभाजी पराठा

अगर आप रोज-रोज वही बोरिंग सादा आलू-गोभी या मेथी का पराठा खाकर ऊब चुके हैं, तो अब ट्राई करें झटपट बनने वाला टेस्टी पावभाजी पराठा। यह टेस्टी पराठा आपके जायके को एक जबरदस्त किक देने वाला है। खास बात यह है कि यह पराठा सिर्फ एक डिश नहीं, बल्कि पावभाजी के तीखेपन और पराठे की कुरकुरी परत का एक लाजवाब कॉम्बो है। बच्चों के टिफिन से लेकर संडे ब्रंच तक, यह पराठा उन सभी के लिए परफेक्ट रेसिपी है जो खाने में थोड़ा 'एक्स्ट्रा' तड़का ढूंढ रहे हैं।

बनाने के लिए सामग्री

2 कप गेहूं का आटा, नमक स्वादानुसार, पराठे का आटा गूंधने के लिए पानी, घी आवश्यकतानुसार

पाव भाजी की स्टफिंग तैयार करने के लिए

3 उबले आलू (मैश किए हुए), कप उबली हुई फूलगोभी, कप उबले हुए मटर, 1 बारीक कटी प्याज, 2 बारीक कटे हुए टमाटर, 1 छोटा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, 2 छोटे चम्मच पाव भाजी मसाला, छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, छोटा चम्मच हल्दी, नमक स्वादानुसार, 1 बड़ा चम्मच मक्खन, बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1 चम्मच नींबू का रस

कैसे बनाया जाता है पाव भाजी पराठा

पाव भाजी तैयार करने के लिए सबसे पहले कड़ाही में मक्खन गरम करके उसमें प्याज डालकर हल्का सुनहरा होने तक भूनें। इसके बाद इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर खुशबू आने तक पकाएं। अब टमाटर डालकर तब तक पकाएं जब तक वे गलकर नरम न हो जाएं। इसके बाद कड़ाही में हल्दी, लाल मिर्च, नमक और पाव भाजी मसाला डालकर अच्छे से मिलाने के बाद उबली हुई सब्जियां डालकर अच्छे से मैश करते हुए 5 मिनट तक पकाएं। आखिर में नींबू का रस और हरा धनिया डालकर गैस बंद कर दें।

पराठा बनाएं

पाव भाजी पराठा बनाने के लिए सबसे पहले गेहूं के आटे में नमक डालकर नरम आटा गूंथ लें। इसके बाद आटे की लोई लेकर हल्का बेलें और बीच में पाव भाजी की स्टफिंग रख दें। इसके बाद लोई बंद करके हल्के हाथों से पराठा बेल लें। पराठे को गरम तवे पर डालकर दोनों तरफ से घी लगाते हुए सुनहरा होने तक सेंकें।

संक्षिप्त समाचार

13 लोगों की दर्दनाक मौत, 9 अन्य घायल... हाईवे पर मची चीख पुकार

इस्लामाबद, एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में कराची के बाहर सुपर हाईवे पर कुछ गाड़ियों की टक्कर में शुक्रवार को कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। राजमार्ग पर गलत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार यात्री बस एम9 अंसारी पुल पर एक तेल टैंकर से टकरा गई। इसी दौरान एक अन्य यात्री बस भी टैंकर से टकरा गई। क्षेत्र के पुलिस अधिकारी खालिद समोजो ने बताया कि घटना में 13 लोगों की मौत हो गई और नौ लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा, शुरुआती जांच में घटना में यात्री बस चालक की गलती पाई गई है। एक बस सड़क के किनारे से पुल पर आई और तेल टैंकर से टकरा गई। मृतकों और घायलों में पैदल यात्री भी शामिल हैं।

पहाड़ी इलाके में छोटा विमान हुआ दुर्घटनाग्रस्त, प्लेन में सवार सभी चार लोगों की मौत

कोलोराडो, एजेंसी। अमेरिका के कोलोराडो राज्य में एक दर्दनाक विमान हादसा हुआ है। शुक्रवार को

एक छोटा विमान पहाड़ी इलाके में क्रैश हो गया, जिसमें सवार सभी चार लोगों की मौत हो गई। अमेरिकी विमानन प्राधिकरण के मुताबिक, हादसा करीब रात 12 :20 बजे हुआ। दुर्घटनाग्रस्त विमान एक इपिक इ1000 था, जो छह सीटों वाला टर्बोप्रॉप विमान है। विमान में कुल चार लोग सवार थे और चारों की मौके पर ही मौत हो गई। राउट काउंटी के कोरोनर मिच लॉक ने इसकी पुष्टि की है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, विमान पहाड़ी इलाके में अज्ञात परिस्थितियों में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। फिलहाल हादसे की वजह स्पष्ट नहीं है। इस मामले की मिलकर कर रहे हैं। जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि हादसा तकनीकी खराबी, मौसम या किसी अन्य कारण से हुआ।

वेनेजुएला पर ट्रंप ने बघारी शेखी, बोले-दुनिया ने देखी अमेरिका की ताकत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस

मादुरो को पकड़ने वाले अमेरिकी विशेष बलों की प्रशंसा करते हुए कहा कि पिछले महीने की गई इस कार्रवाई से पूरी दुनिया ने अमेरिका की पूर्ण सैन्य शक्ति को देखा और इससे यह सुनिश्चित हुआ कि दुनियाभर के संभावित शत्रु हमसे डरें। ट्रंप ने फोर्ट ब्रैग के सैनिकों और उनके परिवारों को संबोधित करते हुए कहा, आपके कमांडर-इन-चीफ पूरी तरह आपका समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा जब जरूरत होगी, आप लड़ेंगे आप जीतेंगे... । राष्ट्रपति और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने सैन्य परिवारों से निजी तौर पर भी मुलाकात कीं। लेकिन यह दौरा अमेरिकी सशस्त्र बलों का अभिनंदन करने के लिए आयोजित आधिकारिक दौरे से कहीं अधिक एक राजनीतिक रैली सरीखा था। ट्रंप ने मादुरो को सत्ता से हटाने वाले हमले की प्रशंसा से पहले रिपब्लिकन नेशनल कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं राष्ट्रपति समर्थित माइकल व्हाटली को मंच पर बुलाया क्योंकि वह अब उत्तरी कैरोलिना से सीनेट के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा, उस रात पूरी दुनिया ने देखा कि अमेरिकी सेना क्या कर सकती है। यह अभियान इतना सटीक और अविश्वसनीय था। ट्रंप ने कहा, जब तक मैं राष्ट्रपति हूं, हम दुनिया की सबसे बेहतरीन नेतृत्व वाली, सबसे प्रशिक्षित, सबसे सुसज्जित, सबसे अनुशासित और सबसे विशिष्ट लड़ाकू सेना होंगे।

ईरान पर हमले की पूरी तैयार में डोनाल्ड ट्रंप, बता दिया युद्धपोत भेजने के पीछे का इरादा

ऐसे में डोनाल्ड ट्रंप ने कई बार सैन्या कार्रवाई की धमकी दी है

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान से तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कन्फर्म कर दिया है कि वह अपने सबसे बड़े एयरक्राफ्ट कैरियर को पूरे लाव लश्कर के साथ मध्य एशिया भेज रहे हैं। अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता जरूर चल रही है लेकिन परमाणु कार्यक्रम को लेकर तनाव कम नहीं हो रहा है। ऐसे में डोनाल्ड ट्रंप ने कई बार सैन्या कार्रवाई की धमकी दी है।

अमेरिका के सबसे बड़े एयरक्राफ्ट यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड कैरियर को लेकर जब डोनाल्ड ट्रंप से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि यह तोड़ी ही देर में रवाना होने वाला है। अगर ईरान के साथ मसझौता नहीं होता है तो हमें इसकी जरूरत पड़ेगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि गेराल्ड के साथ ही यूएसएस अब्राहम लिंकन शिप को भी रवाना किया गया है।

ईरान में विरोध प्रदर्शन और फिर खामेनेई द्वारा प्रदर्शनकारियों के दमन को लेकर दोनों देशों में तनाव बढ़ गया है। अमेरिका ने कहा है कि अगर परमाणु कार्यक्रम को लेकर ईरान अमेरिका की बात नहीं मानता है तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। गाइडेड मिसाइल से लैस यूएसएस अब्राहम लिंकन पहले से ही अरब सागर में मौजूद है। पिछले ही सप्ताह ईरान के एक ड्रोन को इसी युद्पोत पर से ही मार गिराया गया था। यूएसएस गेराल्ड फोर्ड युद्धपोत वेनेजुएला में अभियान को अंजाम देने गया था और तब से वहीं था। अब यहां से सीधे वह मध्य एशिया की ओर रवाना कर

दिया गया है। बता दें कि दोनों देशों ने पिछले सप्ताह ओमान में बातचीत की थी। इसके बाद डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर समझौता नहीं होता है तो परिणाम बहुत गंभीर होंगे। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, यह निर्णय ईरान के साथ परमाणु वार्ता में गतिरोध और क्षेत्रीय अस्थिरता के बीच वाशिंगटन की सैन्य शक्ति के प्रदर्शन के तौर पर लिया गया है। यह युद्धपोत अब फारस की खाड़ी और अरब सागर क्षेत्र में पहले से मौजूद 'यूएसएस अब्राहम लिंकन' और उसके सहायक बेड़े के साथ शामिल होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि दो विमानवाहक पोतों की एक साथ मौजूदगी इस क्षेत्र में वाशिंगटन की नौसैनिक ताकत को अभूतपूर्व रूप से बढ़ा देगी, जिससे ईरान पर कूटनीतिक और सैन्य दोनों स्तरों पर दबाव बढ़ेगा।

राष्ट्रपति ट्रंप ने यह कदम इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ हाल ही में हुई लंबी चर्चा के बाद उठाया है। बताया जा रहा है कि ओमान में तेहरान के साथ परमाणु कार्यक्रम पर चल रही अप्रत्यक्ष वार्ता में कोई ठोस परिणाम न मिलने से वाशिंगटन असंतुष्ट है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस तैनाती में गाइडेड-मिसाइल विध्वंसक और निगरानी विमान भी शामिल हैं।

अमेरिकी सेना का कैरेबियन सागर में एक और बोट पर हमला, 3 की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने कैरेबियन सागर में ड्रग तस्करी के आरोप में शुक्रवार को एक और नाव पर हमला किया है। इस हमले में 3 लोगों की मौत हुई है। अमेरिकी सदर्न कमांड के मुताबिक नाव कथित तौर पर ड्रग तस्करी के लिए इस्तेमाल हो रही थी। यह हमला किया गया।

अमेरिकी सदर्न कमांड ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह नाव कैरेबियन में 'नार्को-ट्रैफिकिंग रूट' पर चल रही थी और ड्रग तस्करी में शामिल थी। कमांड ने बताया कि हमले में नाव सवार तीन लोग मारे गए। पोस्ट के साथ एक वीडियो भी शेयर किया गया है। वीडियो में एक नाव पानी में चलते हुए दिखती है, जिसके बाद वह धमाके के साथ आग की लपटों में घिर जाती है।

यह हमला ट्रम्प प्रशासन की उस कार्रवाई का हिस्सा है, जिसमें कथित ड्रग तस्करी में शामिल नावों को निशाना बनाया जा रहा है। पिछले साल सितंबर से अब तक कैरेबियन सागर और पूर्वी प्रशांत महासागर में कम से कम 38 हमले किए गए हैं। इन हमलों में अब तक कुल 133 लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पिछले हफ्ते कहा था कि क्षेत्र के कुछ बड़े कार्टेल ड्रग तस्करों ने हाल की सैन्य कार्रवाइयों के कारण अनिश्चितकाल के लिए नशीले पदार्थों का कारोबार बंद करने का फैसला किया है।

हालांकि, हेगसेथ ने अपने निजी सोशल मीडिया अकाउंट पर किए गए इस दावे के समर्थन में कोई सबूत शेयर नहीं किया। ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका लैटिन अमेरिका के ड्रग कार्टेल के साथ सशस्त्र संघर्ष की स्थिति में है। उन्होंने इन हमलों को ड्रग्स की सप्लाई रोकने के लिए जरूरी कदम बताया है। हमले का वीडियो साझा करते हुए अमेरिकी सदर्न कमांड ने सोशल मीडिया पर

बताया कि 13 फरवरी को कमांडर जनरल फ्रांसिस एल. डोनोवन के निर्देश पर जॉइंट टास्क फोर्स सदर्न स्पीयर ने नामित आतंकवादी संगठनों द्वारा संचालित एक पोत पर घातक सैन्य हमला किया।

पोस्ट में आगे कहा गया कि खुफिया जानकारी से पुष्टि हुई कि पोत कैरिबियाई सागर में मादक पदार्थों की तस्करी के मार्गों से गुजर रहा था और मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल था। इस कार्रवाई में तीन तस्कर मारे गए। अमेरिकी सेना का कोई भी जवान घायल नहीं हुआ।

पोस्ट के साथ जुड़े एक वीडियो में नाव को पानी में चलते हुए दिखाया गया है, जिसके बाद वह आग की लपटों में घिरकर फट जाती है। शुक्रवार (13 फरवरी) के हमले के बाद ट्रंप प्रशासन के कथित तौर पर मादक पदार्थों से भरी नौकाओं पर किए गए हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 133 हो गई है। सितंबर की शुरुआत से कैरेबियन सागर और पूर्वी प्रशांत महासागर में कम से कम 38 हमले किए गए हैं।

ईरान में सत्ता परिवर्तन से बेहतर कुछ हो ही नहीं सकता: ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान में सत्ता परिवर्तन से बेहतर कुछ हो ही नहीं सकता। ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे वक्त आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है और अमेरिकी प्रशासन इस बात पर विचार कर रहा है कि ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की जाए अथवा नहीं। ट्रंप ने ये टिप्पणियां उत्तरी कैरोलिना के फोर्ट ब्रैग में सैनिकों से मुलाकात के तुरंत बाद कीं और इससे पहले उन्होंने दिन में पुष्टि की थी कि वह ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई के लिए पश्चिम एशिया में दूसरा विमानवाहक पोत तैनात कर रहे हैं।

ईरान में इस्लामी शासन के अंत के प्रयासों के बारे में पत्रकारों के प्रश्न पर ट्रंप ने कहा, इससे अच्छा और कुछ नहीं हो सकता। वे 47 सालों से सिर्फ बातें कर रहे हैं। ट्रंप ने पहले कहा था कि दुनिया का सबसे बड़ा विमानवाहक पोत यूएसएस जेराल्ड आर. फोर्ड को कैरेबियाई सागर से पश्चिम एशिया भेजा जा रहा है, वहां पहले से ही अमेरिकी युद्धपोत और सैन्य हथियार मौजूद हैं। यह तैनाती ऐसे समय में की जा रही है जब कुछ ही दिन पहले ट्रंप ने संकेत दिया था कि ईरान के साथ एक और दौर की वार्ता जल्द हो सकती है, हालांकि ये वार्ताएं नहीं हो सकीं। इस सप्ताह तेहरान के एक शीर्ष सुरक्षा अधिकारी ने ओमान और कतर का दौरा किया और वहां अमेरिकी मध्यस्थों के साथ भी बातचीत की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दूसरे विमानवाहक पोत के बारे में संवाददाताओं से कहा, अगर हम कोई समझौता नहीं कर पाए, तो हमें इसकी जरूरत पड़ेगी। उन्होंने कहा, यह बहुत जल्द रवाना होगा।

3 दिन में 10 हजार कंडोम खत्म... विंटर ओलंपिक्स में मंडराया कंडोम का संकट

कॉर्टिना डीएम्पेज़ो, एजेंसी। 2026 के मिलान-कॉर्टिना विंटर ओलंपिक्स में खेलों से इतर एक अलग ही वजह चर्चा का केंद्र बन गई है। एथलीट्स विलेज में उपलब्ध कराए गए मुफ्त कंडोम शुरुआती दिनों में ही समाप्त हो गए, जिससे आयोजन समिति को तत्काल अतिरिक्त आपूर्ति की व्यवस्था करनी पड़ी। आयोजकों के अनुसार, शुरुआती चरण में करीब 10,000 पैक उपलब्ध कराए गए थे, लेकिन मांग अनुमान से कहीं अधिक निकली। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही नया स्टॉक पहुंचाया जाएगा, हालांकि सटीक समयसीमा स्पष्ट नहीं की गई है।

कॉर्टिना डी'एम्पेज़ो स्थित एथलीट्स विलेज में लगभग 2,900 खिलाड़ियों के लिए करीब 9,700 से अधिक कंडोम उपलब्ध कराए गए थे। आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त वितरण की व्यवस्था भी थी, लेकिन कुछ ही दिनों में स्टॉक समाप्त हो गया। एथलीट्स विलेज का माहौल- जहां अलग-अलग देशों के खिलाड़ी एक ही

परिसर में कई हफ्तों तक साथ रहते हैं- ऐसी स्वास्थ्य सेवाओं की मांग को स्वाभाविक रूप से बढ़ा देता है। मॉड्यूलर आवास, साझा सुविधाएं और सीमित निजता इस स्थिति को और प्रभावित करती हैं।

यह घटना इसलिए भी सुर्खियों में है क्योंकि हालिया ओलंपिक संस्करणों में कहीं अधिक मात्रा में कंडोम वितरित किए गए थे। उदाहरण के लिए, पेरिस समर ओलंपिक्स 2024 में लगभग 2 लाख पुरुष और 20 हजार महिला कंडोम उपलब्ध कराए गए थे। इससे पहले के आयोजनों में भी संख्या तीन लाख तक पहुंच चुकी है। ऐसे में मिलान-कॉर्टिना का अपेक्षाकृत कम प्रारंभिक स्टॉक चर्चा का विषय बन गया है।

ओलंपिक में कंडोम वितरण की परंपरा

ओलंपिक विलेज में मुफ्त गर्भनिरोधक उपलब्ध कराना लंबे समय से परंपरा का हिस्सा रहा है। इसका उद्देश्य खिलाड़ियों के बीच सुरक्षित यौन व्यवहार को बढ़ावा देना और स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों को कम करना है। टोक्यो ओलंपिक्स 2021 के दौरान कोविड-19 प्रतिबंधों के कारण सामाजिक संपर्क पर सख्ती थी, लेकिन अब सामान्य माहौल लौटने के साथ मांग भी सामान्य स्तर पर पहुंच गई है।

अमेरिका में भारतीय स्टूडेंट चार दिन से लापता, दूतावास ने जताई चिंता; तलाश जारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में पढ़ने गए 22 वर्षीय भारतीय छात्र के लापता होने की खबर सामने आई है। छात्र साकेत श्रीनिवासैया कर्नाटक का रहने वाला था और बर्कले विश्वविद्यालय से पोस्ट-ग्रेजुएट कर रहा था। सैन फ्रांसिस्को स्थित भारतीय दूतावास ने छात्र के गायब होने पर गहरी चिंता व्यक्त की है।

छात्र के गायब होने को लेकर चिंतित कॉन्सुलेट जनरल ने ङ्क पर एक पोस्ट में लिखा, सैन फ्रांसिस्को में भारत का कॉन्सुलेट जनरल, कर्नाटक राज्य के रहने वाले बर्कले के एक भारतीय पोस्ट-ग्रेजुएट स्टूडेंट साकेत श्रीनिवासैया के लापता होने को लेकर बहुत चिंतित है। कॉन्सुलेट परिवार के संपर्क में है और स्टूडेंट का पता लगाने के लिए संबंधित लोकल अधिकारियों से भी संपर्क में है।

हालांकि, यह ऐसी पहली घटना नहीं है। विदेश में रहने वाले भारतीय स्टूडेंट्स अक्सर अधिकारियों द्वारा भेदभाव, नस्लभेदी हमलों और लापरवाही की शिकायत करते हैं। लोकसभा में सांसद असदुद्दीन ओवैसी के विदेश में स्टूडेंट सेफ्टी के बारे में उठाए गए एक सवाल में, विदेश मंत्रालय ने भारतीय स्टूडेंट्स को सुरक्षित रखने की अपनी कोशिशों पर जोर दिया। ओवैसी के सवाल के जवाब में, लिखा, सरकार विदेश में रहने वाले भारतीय स्टूडेंट्स की सेफ्टी को बहुत ज्यादा प्राथमिकता देती है और उनके खिलाफ हिंसा की घटनाओं पर नजर रखती है। उनके खिलाफ होने वाली हिंसक और बुरी घटनाओं को विदेश में मौजूद भारतीय मिशन/पोस्ट तुरंत होस्ट देश के संबंधित अधिकारियों के सामने उठाते हैं ताकि यह पक्का हो सके कि उनकी ठीक से जांच हो और दोषियों को सजा मिले।

श्रीनिवासैया के रूममेट बनेत सिंह ने गायब होने के बाद पता लगाने में मदद के लिए लिंक्डइन पर पोस्ट किया। बनेत सिंह ने लिंकडइन पर किए एक पोस्ट में लिखा, सभी को नमस्कार, मेरा रूममेट साकेत श्रीनिवासैया सोमवार, 9 फरवरी से लापता है। उसे आखिरी बार बर्कले हिल्स में लेक अंजा के पास देखा गया था।

ईरान में असहमति की सजा: गिरफ्तारी के बाद नोबेल विजेता नरगिस से मारपीट

तेहरान , एजेंसी। ईरान की जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी की सेहत लगातार खराब हो रही है। यह जानकारी उनके पति ताघी रहमानी ने दी। रहमानी ने पेरिस में अपने घर पर एसोसिएटेड प्रेस से बातचीत में कहा कि 12 दिसंबर को ईरान के पूर्वी शहर मशहद की यात्रा के दौरान उनकी पत्नी को गिरफ्तार किया गया, जिसके बाद से वह उनसे बात नहीं कर पाए हैं। रहमानी ने कहा कि नरगिस की खराब सेहत की जानकारी रिहा किए गए बंदियों से मिली है, जिन्हें मशहद में उनकी पत्नी के साथ रखा गया था।

उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी को सिर्फ अपने भाई से बेहद कम समय के लिए फोन से बात करने की अनुमति दी गई थी और इस सप्ताह की शुरुआत में एक और सजा सुनाए जाने के बाद उन्होंने केवल एक बार अपने वकील से बात की है। रहमानी ने कहा कि उन्होंने आखिरी बार अपनी पत्नी से उस रात बात की थी जब वह मशहद जाने से पहले तेहरान में थीं।

वह वहां संदिग्ध हालात में मानवाधिकार वकील की मौत के बाद उनकी स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में गई थीं। उन्होंने

बताया कि कार्यक्रम में सादे कपड़ों में मौजूद सुरक्षा बल के सदस्यों ने भाषण खत्म होने से पहले ही उनकी पत्नी पर हमला किया और मारपीट की। उन्होंने बताया कि कई लोगों ने नरगिस के सिर और गर्दन पर प्रहार किया। उन्होंने कहा, प्राप्त जानकारियों से पता चलता है कि मारपीट की वजह से उनकी सेहत बिगड़ रही है।

जेफ्री एपस्टीन की मौत खुदकुशी नहीं हत्या, पोस्टमॉर्टम के दौरान मौजूद डॉक्टर का दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन को लेकर लगातार नए-नए खुलासे हो रहे हैं। वहीं उसकी मौत अब भी रहस्य बनी हुई है। 2019 में गिरफ्तारी के बाद न्यूयॉर्क की जेल में उसकी मौत हो गी थी। एपस्टीन की पोस्ट मॉर्टम देखने के बाद फरेंसिक पैथलॉजिस्ट डॉ. मिशेल बाडेन ने कहा कि रिपोर्ट पर गौर करें तो एपस्टीन की मौत फांसी लगाकर नहीं हुई थी बल्कि गला घोंटा गया था। ऐसे में कहा जा सकता है कि उसकी मौत खुदकुशी नहीं बल्कि हत्या थी।

बाडेन ने द टेलिग्राफ को दिए

इंटरव्यू में कहा, मेरे विचार से जेफ्री एपस्टीन की मौत गला घोंटने की वजह से हुई थी। इस मामले में और जांच होनी चाहिए तभी असली वजह का पता चल पाएगा। बता दें कि न्यूयॉर्क की जेल में जेफ्री एपस्टीन को मृत पाया गया था। इसके बाद मेडिकल एग्जामिनर ने इसे खुदकुशी बताया था। बाडेन ने खुद ऑटोप्सी नहीं की थी लेकिन ऑब्जर्वर के तौर पर उस वक्त वह मौजूद थे। दोनों ही एग्जामिनर इस बार पर हमसत थे कि मौत के असली कारण का पता लगाने के लिए और जांच की जरूरत है। उन्होंने बताया कि एपस्टीन की मौत के पांच दिन बाद ही सर्टिफिकेट जारी कर दिया गया था। उस समय की चीफ मेडिकलएग्जीमिनर डॉ. बारबारा सैंपसन ने इसे खुदकुशी बताया था। उन्होंने यह भी बताया की सैंपसन पोस्टमॉर्टम के दौरान वहां मौजूद भी नहीं थीं। जेफ्री एपस्टीन के गले में तीन निशान पाए गए थे। दो आगे की तरफ और एक पीछे की ओर। इसकेअलावा तीन जगह से गर्दन में फ्रैक्चर हुआ था। डॉ. बदान ने कहा कि उन्होंने अपने करियर में इस तरह के फ्रैक्चर फांसी लगाने के केस में कभी नहीं देखे।

भारत के खिलाफ आतंकी साजिश और मौत की सजा... वो 3 अपराधी, जिन्हें यूनुस ने दी माफी; अब बने सांसद

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में आम चुनाव में दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की पार्टी बांग्लादेश नेशनिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने भारी जीत हासिल की है। इस चुनाव में तीन नेता ऐसे भी हैं, जो बहुत ही भाग्यशाली रहे। इनमें दो नेता बीएनपी के और एक जमात-ए-इस्लामी से हैं। बीएनपी के लुत्फेज्जमां बाबर, अब्दुस सलाम पिंटू और जमात के अजहरुल इस्लाम इन तीनों पर गंभीर आरोप लगे हैं। हालांकि मुहम्मद यूनुस ने इन पर लगे सभी आरोपों को हटा दिया था। अब ये तीनों बांग्लादेश की संसद में बैठेंगे। दिसंबर 2024 में बांग्लादेश हाई कोर्ट ने तारिक रहमान, लुत्फोज्जमां बाबर और दूसरे लोगों को बरी कर दिया। इन लोगों को 21 अगस्त 2004 को शेख हसीना को टारगेट करके किए गए ग्रेनेड

हमले से जुड़े दो मामलों में दोषी ठहराया गया था। हालांकि वह बाल-बाल बच गईं, लेकिन 24 लोग मारे गए थे। लुत्फोज्जमां बाबर ने अपने सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी को 1.6 लाख वोटों से हराया। इसके अलावा अब्दुस सलाम पिंटू लगभग 2 लाख वोटों से जीता। ये वही पिंटू है जिसे ग्रेनेड अटैक मामले में बरी किया गया। इतना ही नहीं पिंटू पर पाकिस्तान के टेरर ग्रुप हरकत-उल-जिहाद-अल-इस्लामी (हूजी) का समर्थन करने का आरोप था, जो भारत में हमलों के पीछे था। इसमें 2006 में उत्तर प्रदेश के वाराणसी में एक कोर्ट परिसर में, 2007 में अजमेर शरीफ दरगाह में और 2011 में दिल्ली में हुए धमाके शामिल हैं। कहा जाता है कि 1971 के लिबरेशन वॉर में 1,200 से ज्यादा लोगों की मौत के लिए इस्लाम जिम्मेदार था।

इस वर्ल्डकप का सबसे बड़ा स्कोर बनाया, टकर ने नाबाद 94 रन बनाए

आयरलैंड ने ओमान को 96 रन से हराया

कोलंबो। आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप के 22वें मुकाबले में आयरलैंड ने ओमान को 96 रन से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। शनिवार को कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए मैच में ओमान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी, लेकिन यह फैसला टीम के लिए उलटा साबित हुआ। आयरलैंड ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 235 रन बनाए, जो इस वर्ल्ड कप का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। जवाब में ओमान की टीम 18 ओवर में 139 रन पर सिमट गई। लॉर्कन टकर (94*) को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

टकर ने नाबाद 94 रन बनाए

आयरलैंड के लिए कप्तान लॉर्कन टकर और गैरेथ डेलानी ने शानदार अर्धशतक जड़े। टकर ने 51 गेंदों पर नाबाद 94 रन की बेहतरीन पारी खेली, जबकि डेलानी ने 30 गेंदों में 56 रन बनाए। वहीं जॉर्ज डॉकरेल ने आखिरी ओवर में लगातार तीन छक्के जड़ते हुए महज 9 गेंदों में नाबाद 35 रन बनाकर पारी को धमाकेदार अंदाज में समाप्त किया।

जोशुआ लिटिल ने 3 विकेट लिए

टारगेट का पीछा करने उतरी ओमान के लिए ओपनर आमिर कलीम ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 29 हॉल पर 50 रन बनाए। उनके अलावा हम्माद मिर्जा ने 37 बॉल पर 46 रन बनाए। आयरलैंड के लिए जोशुआ लिटिल ने 3, मैथ्यू हम्फ्रीज और बैरी मैकार्थी ने 2-2 विकेट लिए। जॉर्ज डॉकरेल को 1 विकेट मिला। आशीष ओडेदरा और हम्माद मिर्जा रन आउट हुए।

ओमान 139 पर ऑलआउट

बैरी ने ओमान की पारी का अंत कर दिया। 18वें ओवर की आखिरी बॉल पर शॉर्ट गेंद पर सुफियान ने मिड-ऑन के ऊपर से पुल शॉट खेलने की कोशिश की। गेंद बल्ले के ऊपरी हिस्से से लगकर हवा में चली गई। मिड-ऑन से अपनी बाईं ओर दौड़ते हुए रॉस ने सिर के ऊपर शानदार कैच लपका और इसके साथ ही ओमान की पारी 18 ओवर में 139 रन पर सिमट गई। आयरलैंड ने मुकाबला 96 रन के बड़े अंतर से जीत लिया। ओमान का नौवा विकेट गिरा 16वें ओवर की चौथी बॉल पर मैथ्यू हम्फ्रीज ने ओमान को एक और झटका दे दिया। शकील अहमद कैच एंड बोल्ड होकर पवेलियन लौटे।

अतीत में अपने व्यवहार की वजह से नुकसान उठाना पड़ा: ईशान

नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने नामीबिया के खिलाफ धमाकेदार पारी खेलकर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई और अपनी जगह लगभग पक्की कर ली। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने केवल 24 गेंदों में 61 रन बनाए, जिसमें जेजे स्मिट के एक ही ओवर में चार छक्के शामिल थे। भारत ने पावरप्ले में एक विकेट के नुकसान पर 86 रन बना लिए, जो टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में भारत का पावरप्ले में सर्वोच्च स्कोर साबित हुआ। अभिषेक शर्मा की अनुपस्थिति में किशन की यह पारी और भी अहम रही।

मुकाबले के बाद किशन ने अपने बदलावों और परिपक्वता पर खुलकर बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि अतीत में उनके व्यवहार की वजह से उन्हें नुकसान उठाना पड़ा, लेकिन अब उन्होंने अपने रवैये और खेल पर पूरा ध्यान देना शुरू कर दिया है।

केंद्रीय अनुबंध से बाहर होने के बाद उन्होंने अपने आचरण में बदलाव किया और अब अधिकांश समय बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग पर फोकस करते हैं। किशन ने बताया कि वह केवल कुछ घंटे हल्के मूड में रहते हैं, बाकी समय पूरी निष्ठा से अपने खेल पर काम करते हैं।

किशन ने यह भी बताया कि अब वह जल्दबाजी से बचने की कोशिश कर रहे हैं और एक-दो रन लेने पर उतना ही ध्यान देते हैं जितना बड़े शॉट खेलने पर।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई बार खिलाड़ी उत्साह में गलत शॉट खेल बैठते हैं, लेकिन किशन खुद को शांत रखने और गेंद पर नजर जमाए रखने की रणनीति अपनाते हैं। इस पारी ने न सिर्फ किशन की टीम में अहम भूमिका को मजबूत किया, बल्कि भारतीय शीर्ष क्रम के लिए भी बड़ी राहत दी। उनकी बल्लेबाजी में आई परिपक्वता और विकेटकीपिंग में निरंतरता उन्हें टीम का भरोसेमंद सदस्य बनाती है। आगामी मुकाबलों में किशन की यह फॉर्म भारत के अभियान की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है और टीम को ग्रुप स्टेज में मजबूत स्थिति दिला सकती है।

ब्रीफ न्यूज

क्रिकेटर कनिष्क चौहान अब आईपीएल में मचाएगा धूमः अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप में किया था बेहतरीन प्रदर्शन, आरसीबी की टीम में शामिल

झज्जर। हरियाणा के क्रिकेटर कनिष्क चौहान अब आईपीएल में आरसीबीकी टीम में धमाल मचाने की तैयारी में जुट गए हैं। कनिष्क की प्रतिभा को पहचानते हुए दुनिया की सबसे लोकप्रिय लीग आईपीएल ने भी उनके लिए दरवाजे खोल दिए हैं। कनिष्क चौहान को आईपीएल में आरसीबी की टीम ने शामिल किया है।

आईपीएल की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। झज्जर जिले के कुलाना के रहने वाले कनिष्क चौहान भी इस बार आईपीएल में आरसीबी की टीम से खेलते नजर आएंगे। हाल ही में हुए अंडर 19 क्रिकेट वर्ल्ड कप में कनिष्क चौहान ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था। कनिष्क को आरसीबी की टीम में बेस प्राइस 30 लाख रुपए में शामिल किया गया है।

ऑल राउंडर की निभाएंगे भूमिका

पिछले साल 16 दिसंबर को आईपीएल में खेलने वाली टीमों में शामिल करने के लिए खिलाड़ियों की बोली लगाई गई थी, उसी में झज्जर जिले के खिलाड़ी कनिष्क चौहान को भी जगह मिली है। कनिष्क चौहान दाएं हाथ के आक्रामक बल्लेबाज और ऑफ-ब्रेक स्पिन गेंदबाज हैं।

आईपीएल में बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीदें

कनिष्क के माता पिता का कहना है कि जिस प्रकार से उनके बेटे ने वर्ल्ड कप में अपना दबदबा दिखाया उसी प्रकार से अब उनसे आईपीएल में अपनी टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीदें हैं। आईपीएल में आरसीबी की टीम ने कनिष्क चौहान को ऑल राउंडर प्रदर्शन के लिए शामिल किया है। कनिष्क चौहान इंडिया अंडर 19 टीम में 8 वें नंबर पर बैटिंग करने आते हैं

साउथ अफ्रीका की लगातार तीसरी जीत, न्यूजीलैंड की पहली हार

मार्करम ने 44 बॉल पर 86 रन बनाए, मार्को यानसन ने 4 विकेट झटके

अहमदाबाद। साउथ अफ्रीका ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में लगातार तीसरी जीत हासिल की है। टीम ने शनिवार के तीसरे मैच में न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया। इस जीत से टीम ग्रुप डी की पॉइंट्स टेबल के पहले स्थान पर आ गई है। जबकि न्यूजीलैंड दूसरे स्थान पर है।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 175 रन बनाए। अफ्रीकी टीम ने 176 रन का टारगेट 17.1 ओवर में 3 विकेट पर चेज कर लिया। डेविड मिलर ने सिक्स लगाकर टीम को जीत दिलाई। मार्को यानसन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। कीवियों की ओर से कोई फिफ्टी नहीं लगा सका कीवियों की ओर से

मार्क चापमन ने सबसे ज्यादा 48 रन बनाए। डेरिल मिचेल ने 32 और फिन एलन ने 31 रन का योगदान दिया। मार्को यानसन ने 4 विकेट झटके। लुंगी एनगिडी, केशव महाराज और कॉर्बिन बॉश को एक-एक विकेट मिला। साउथ अफ्रीका का अजेय रिकॉर्ड जारी इस जीत के साथ साउथ अफ्रीका ने टी-20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना अजेय रिकॉर्ड जारी रखा है। यह प्रोटियाज की कीवियों पर 5वीं जीत है। दोनों के बीच अब तक 5 मैच ही खेले गए हैं।

कप्तान मार्करम ने नाबाद 86 रनों की पारी खेली

ऐडन मार्करम ने नाबाद 86 रनों की पारी खेली। उन्होंने 44 बॉल की पारी में 8 चौके और 4 छक्के लगाए। मिलर ने नाबाद 24 रन बनाए। डेवाल्ड ब्रेविस ने 21, रायन रिकेल्टन ने 21 और क्विंटन डी कॉक ने 20 रन का योगदान दिया।

भारत-पाक महामुकाबला आजः विवादों के यू-टर्न के बाद अब मैदान पर असली जंग, जीत से कम कुछ नहीं मंजूर

कोलंबो। क्रिकेट और सियासत के घालमेल से पैदा हुए गतिरोध के अस्थायी समाधान के बाद आखिरकार टी20 विश्व कप 2026 का सबसे बहुप्रतीक्षित मुकाबला आज होने जा रहा है, जिसमें चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान आमने-सामने होंगे। पाकिस्तान ने पहले मैच के बहिष्कार का फैसला लिया था, लेकिन बाद में अचानक यू-टर्न लेकर आर. प्रेमदासा स्टेडियम में मुकाबला खेलने पर सहमति दे दी। इस निर्णय के पीछे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद, श्रीलंका क्रिकेट और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की कई दौर की बातचीत रही, क्योंकि दक्षिण एशिया ही नहीं, बल्कि पूरे क्रिकेट जगत की निगाहें इस मुकाबले पर टिकी हैं। प्रसारक, प्रायोजक और दुनिया भर के दर्शक इस मैच को टूर्नामेंट की सबसे बड़ी धड़कन मानते हैं। विश्व कप से पहले मजबूत दिख रही भारतीय बल्लेबाजी शुरुआती दो मैचों में कुछ अस्थिर दिखी है। अमेरिका के खिलाफ 77 पर छह विकेट गिरना और नामीबिया के खिलाफ डैथ ओवरों में पांच विकेट गंवाना टीम की कमजोरी उजागर करता है, हालांकि दोनों मैच भारत ने बड़े अंतर से जीते। सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन और हार्दिक पांड्या मुश्किल हालात में टीम को निकालते रहे हैं, लेकिन बड़े मैच में सामूहिक प्रदर्शन ही जीत की कुंजी है। पाकिस्तान को कोलंबो की पिचों की बेहतर जानकारी है, क्योंकि उसके मैच यहीं खेले जा रहे हैं। स्पिनर उस्मान तारिक, अबरार अहमद, शादाब खान और मोहम्मद नवाज भारत के बल्लेबाजों की सख्त परीक्षा लेंगे। वहीं बल्लेबाजी में साहिबजादा फरहान, सईम अयूब और फहीम अशरफ पर जिम्मेदारी होगी। हालांकि पाकिस्तान अब तक ऐसे मजबूत गेंदबाजी आक्रमण से नहीं भिड़ा, जैसा भारत के पास है जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और शिवम दुबे सभी मैच-विनर हैं। आखिर में यह मुकाबला केवल कौशल का नहीं, बल्कि दबाव को संभालने की क्षमता का होगा। जो टीम बाहरी और भीतर दोनों तरह के तनाव को काबू में रखेगी, वही आज की असली जंग जीतेगी।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन, संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती।

पाकिस्तान: सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमां, ख्वाजा नफे, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक।

प्रमोद भगत ने रचा नया इतिहास, मनामा में जीता करियर का छठा विश्व खिताब

नई दिल्ली। भारत के स्टार पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने मनामा में आयोजित प्रतिष्ठित बीडब्ल्यूएफ पैरा बैडमिंटन वर्ल्ड चैम्पियनशिप में एक बार फिर कमाल करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया और इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया। 37 वर्षीय भगत ने पुरुष एकल एसएल3 वर्ग के फाइनल में इंडोनेशिया के मोहम्मद अल इमरान को 21-12, 21-18 से हराकर लगातार चौथा और कुल छठा विश्व खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ वह पैरा

बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे सफल एकल खिलाड़ी बन गए हैं। एसएल3 वर्ग में उन खिलाड़ियों को शामिल किया जाता है जिनके निचले अंगों में गंभीर विकलांगता होती है। प्रमोद भगत पांच वर्ष की उम्र में पोलियो से प्रभावित हुए थे, लेकिन उन्होंने इस कमजोरी को अपनी ताकत में बदलकर विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाई। 2009, 2015, 2019, 2022 और 2024 में पहले ही स्वर्ण जीत चुके भगत का यह नया खिताब उनकी अदम्य इच्छाशक्ति और खेल के प्रति समर्पण का प्रमाण है।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अमेरिका के शैडली वैन शल्कविक का जलवा

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत से ही रोमांच चरम पर है। इस बार यूएसए, नामीबिया और नेपाल जैसी टीमें लगातार चौंका रही हैं। इन्हीं टीमों में

भारत-पाकिस्तान और नीदरलैंड के खिलाफ भी दिखाया दम

उभरा है एक ऐसा नाम जिसने टूर्नामेंट में अपनी धारदार गेंदबाज़ी से तहलका मचा दिया है अमेरिका के ऑलराउंडर शैडली वैन शल्कविक। 37 वर्ष की उम्र में इंटरनेशनल स्तर पर अनुभव भले ही सीमित हो, लेकिन उनके प्रदर्शन ने उन्हें टूर्नामेंट का सबसे चर्चित गेंदबाज़ बना दिया है। तीन मैचों में 11 विकेट लेकर उन्होंने अपने नाम टी20 वर्ल्ड कप 2026 का अब तक का सर्वोच्च विकेट-टेकर होने का रिकॉर्ड दर्ज किया है, जिसमें दो बार चार-चार विकेट शामिल हैं। 6.45 की शानदार इकोनॉमी बताती है कि शैडली कितने प्रभावी रहे हैं।

टूर्नामेंट में जहां जसप्रीत बुमराह और जोफ्रा आर्चर जैसे सुपरस्टार गेंदबाज़ मौजूद हैं, वहीं शैडली ने अपने कौशल से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। भारत के खिलाफ उन्होंने अपना पहला मैच खेला और पावरप्ले में ही भारतीय शीर्षक्रम को ध्वस्त कर दिया। छठे ओवर में मात्र कुछ ही गेंदों में उन्होंने ईशान किशन, तिलक वर्मा और शिवम दुबे को आउट करके भारतीय बल्लेबाज़ी की रीढ़ तोड़ दी। शैडली ने 4 ओवर में सिर्फ 25 रन देकर 4 विकेट चटकाए और भारत के खिलाफ एक अविस्मरणीय स्पेल डाला।

पीसा, इटली में सॉकर फ़ुटबॉल सीरी ए मैच में पीसा एससी बनाम एसी मिलान की टक्कर के दौरान एसी मिलान के लुका मोड्रिक ने अपना दूसरा गोल किया

स्कॉटलैंड को 5 विकेट से हराया; बैंटन ने नाबाद 63 रन बनाए

इंग्लैंड की इस टी-20 वर्ल्डकप में दूसरी जीत

कोलकाता। इंग्लैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप के 23वें मुकाबले में स्कॉटलैंड को 5 विकेट से हरा दिया। शनिवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए दिन के दूसरे मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड की टीम 19.4 ओवर में 152 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में इंग्लैंड ने 18.2 ओवर में 5 विकेट गंवाकर मैच अपने नाम कर लिया।

शरीद को 3 विकेट

इंग्लैंड की इस टूर्नामेंट में तीन मैचों में यह दूसरी जीत है। इससे पहले 8 फरवरी को टीम ने नेपाल को रोमांचक मुकाबले में 4 रन से हराया था। इस जीत के साथ इंग्लैंड ग्रुप-सी के पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर है। वहीं, स्कॉटलैंड की तीन मैचों में यह दूसरी हार रही। इससे पहले उसे वेस्टइंडीज के खिलाफ भी शिकस्त का सामना करना पड़ा था।

रिची बेरिंगटन ने 49 रन बनाए

स्कॉटलैंड के लिए कप्तान रिची बेरिंगटन अर्धशतक चूक गए। उन्होंने 32 बॉल पर 49 रन बनाए। उनके अलावा माइकल जोन्स 33, टॉम ब्रूस 24 और ओलिवर डेविडसन नाबाद 20 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए आदिल रशीद ने 3, लियम डॉसन और जोफ्रा आर्चर ने 2-2 विकेट लिए। जैमी ओवरटन और सैम करन को 1-1 विकेट मिला।

इंग्लैंड 5 विकेट से जीता

19वें ओवर की पहली बॉल पर ब्रैड व्हील की धीमी फुल गेंद जो लेग स्टंप के बाहर थी, इस पर विल जैक्स आगे बढ़े और अपने हाथ खोलते हुए सीधा लॉन्ग-ऑन के ऊपर शानदार छक्का जड़ दिया। अगली ही गेंद पर व्हील ने शॉर्ट ऑफ लेंथ डाली। जैक्स लेग स्टंप के बाहर हटे और जोरदार पुल शॉट खेलते हुए डीप स्क्वेयर लेग बाउंड्री पार कर चौका जड़ दिया। इसी चौके के साथ इंग्लैंड ने टारगेट हासिल कर 5 विकेट से मैच अपने नाम कर लिया।

बैंटन ने नाबाद 63 रन की पारी खेली

टारगेट का पीछा करते हुए इंग्लैंड के लिए टॉम बैंटन ने 41 बॉल पर नाबाद 63 रन बनाए। विल जैक्स 10 बॉल पर 16 रन बनाकर नाबाद लौटे। इनके अलावा जैकब बेथेल ने 32, सैम करन ने 28, हैरी ब्रुक ने 4, जोस बटलर ने 3 और फिल सॉल्ट ने 2 रन बनाए। स्कॉटलैंड के लिए ब्रैंडन मैक्मुलेन, ओलिवर डेविडसन, ब्रैड व्हील, ब्रैड करी और माइकल लीस्क को 1-1 विकेट मिला।

आरबीआई के सहयोग से वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम, महिलाओं को दी सुरक्षित बैंकिंग की जानकारी

बीजापुर/मूक पत्रिका

भारतीय रिजर्व बैंक के सहयोग से जिला पंचायत सभागार में वित्तीय साक्षरता पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मकसद बैंक उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों, सुरक्षित बैंकिंग और वित्तीय योजनाओं की जानकारी देना था। कार्यक्रम में कार्तिक राम बाँधेकर ने कहा कि आज के दौर में वित्तीय शिक्षा जरूरी हो गई है। सही जानकारी होने पर व्यक्ति अपने और परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहतर ढंग से संभाल सकता है। उन्होंने बताया कि हर उपभोक्ता को अपने जमा धन और निवेश से जुड़ी पूरी जानकारी लेने का अधिकार है। यदि बैंक जानकारी देने में टालमटोल करे, तो बैंकिंग लोकपाल से शिकायत की जा सकती है।इस मौके पर भारतीय रिजर्व बैंक रायपुर से एलडीओ नवीन तिवारी और कमल, अग्रणी बैंक के अमृत कुमार इक्का तथा एनआरएलएम के बीपीएम मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि जागरूकता की कमी के कारण लोग चिटफंड, ऑनलाइन ठगी और फोन पर एटीएम जानकारी साझा करने जैसी गलतियों का शिकार हो जाते हैं। इससे बचने के लिए सतर्क रहना और किसी से भी गोपनीय बैंकिंग जानकारी साझा न करना सबसे जरूरी है।

9 से 13 फरवरी तक चला वित्तीय साक्षरता सप्ताह

बताया गया कि वर्ष 2026 में वित्तीय साक्षरता सप्ताह 9 से 13 फरवरी तक मनाया गया। इसकी थीम "KYC – Your First Step to Safe Banking" रही। इस दौरान केवाईसी की मूल बातें, सेंट्रल केवाईसी रजिस्ट्री, अकाउंट हाइजीन और वित्तीय अनुशासन जैसे विषयों पर सरल तरीके से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बैंक खाता खोलने और संचालित करने की प्रक्रिया, बचत योजनाएँ, वित्त प्रबंधन, बैंक ऋण, जमाकर्ताओं और ऋण उपभोक्ताओं के अधिकार, बैंकिंग लोकपाल तथा चिटफंड और नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों से जुड़े पहलुओं पर भी विस्तार से बताया गया।

कार्यशाला में महिला स्व-सहायता समूहों की भागीदारी खास रही, जिससे यह जानकारी गांव और समुदाय स्तर तक पहुंचने की उम्मीद जताई गई। उल्लेखनीय है कि इस पहल के लिए पूरे छत्तीसगढ़ से केवल एक संस्था का चयन हुआ, जिसमें समर्पित संस्था को जगह मिली। कार्यक्रम को सफल बनाने में ब्लॉक काउंसलर विनोद काका, विजय लक्ष्मी और ऑफिस इंचार्ज मनीषा बिनाबोइना की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अवैध कब्जे की जमीन पर बिल्डिंग तानकर सरकार से ही वसूल रहे थे किराया

अवैध कब्जे की जमीन पर चल रहा ESIC ऑफिस

रायगढ़/मूक पत्रिका

रायगढ़ भी कमाल है, सरकारी जमीन पर कब्जा करके लोग बिल्डिंग खड़ी कर देते हैं। सिर्फ यही नहीं उस भवन को किराए पर देकर हर महीने हजारों रुपए की कमाई भी करते हैं। ऐसा ही मामला केलो विहार कॉलोनी में सामने आया जहां एक व्यक्ति ने सरकारी जमीन पर मकान बनाकर उसे कर्मचारी राज्य बीमा निगम को किराए पर दिया है। अब यह जमीन कयाघाट के नए पुल के एप्रोच रोड में आ रही है। कयाघाट में 8.22 करोड़ की लागत से सेतु विभाग नए पुल का निर्माण करने जा रहा है। ठेकेदार ने काम प्रारंभ कर दिया है। पुराना रपटा पुल जर्जर होने और बारिश में डूबने के कारण नए पुल को मंजूरी दी गई। पुल से केलो विहार कॉलोनी की तरफ एप्रोच रोड लंबी बनाई जाएगी ताकि ऊंचाई को संतुलित किया जा सके। सीमांकन किया गया तो नए पुल की सीध में एक मकान आ रहा था। खसरा नंबरों की तस्दीक की गई तो पता चला कि यह सरकारी जमीन है। करीब 5000 वर्गफुट जमीन पर मकान बनाकर कमर्शियल यूज भी किया जा रहा है। यहां मकान के बड़े हिस्से पर कर्मचारी राज्य बीमा निगम का दफ्तर संचालित है जिससे हर महीने 20 हजार रुपए किराया वसूला जा रहा है। इतना सबकुछ सरकारी जमीन पर चल रहा था और किसी को पता ही नहीं चला। तहसीलदार रायगढ़ ने अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया है। मकान मालिक ने खुद ही कब्जा हटाने पर सहमति दी है। अतिक्रमण नहीं हटा तो फिर बेदखली की कार्रवाई की जाएगी।

मदगुरी आंबाटोली के प्राचीन शिव मंदिर में उमड़ी अपार श्रद्धा, दो दिवसीय शिवरात्रि मेले में भव्य भंडारा

नगर पंचायत अध्यक्ष राजेंद्र भगत ने किया भंडारा वितरण

कुसमी (बलरामपुर)/मूक पत्रिका

कुसमी विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मदगुरी आंबाटोली स्थित प्राचीन शिव मंदिर में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर श्रद्धा और आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। दो दिवसीय शिवरात्रि मेला महोत्सव के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा और सुबह से ही भगवान भोलेनाथ के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं।ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मेले में शामिल हुए। भक्तों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान शिव से सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की।

मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जिससे पूरा क्षेत्र भक्ति भावना से सराबोर नजर आया।

नगर पंचायत अध्यक्ष ने की पूजा-अर्चना–मेला महोत्सव के अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष राजेंद्र भगत ने भगवान शिव की विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व आस्था, विश्वास और सामाजिक एकता का प्रतीक है।उन्होंने मेले में आए श्रद्धालुओं का स्वागत किया तथा भंडारे में स्वयं उपस्थित रहकर प्रसाद वितरण में सहभागिता निभाई। उनके साथ सहयोगियों ने भी सेवा भावना से बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

भव्य भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण–दो दिवसीय मेले के दौरान विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन में मुख्य रूप से राजेंद्र भगत, नईमुद्दीन अंसारी, श्याम कुशवाहा, करमचंद मुंडा, उत्पल कुमार, सौरभ कुमार, मुनेश्वर राम, मदन लाल वर्मा, अमरनाथ सोनवानी, संतोष भगत, जितेंद्र टोप्पो, अमित, प्रदीप सहित अनेक माताएं एवं बहनों की सक्रिय भागीदारी रही।आयोजन समिति के सदस्यों ने व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे पूरे मेले में अनुशासन और सुव्यवस्था बनी रही।

आस्था और सामाजिक समरसता का प्रतीक बना आयोजन–मदगुरी आंबाटोली का यह प्राचीन शिव मंदिर वर्षों से क्षेत्रवासियों की आस्था का केंद्र रहा है। शिवरात्रि के अवसर पर आयोजित यह मेला न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि सामाजिक समरसता और भाईचारे का भी संदेश देता नजर आया।कुल मिलाकर, कुसमी विकासखंड के मदगुरी आंबाटोली में आयोजित यह दो दिवसीय शिवरात्रि मेला श्रद्धा, सेवा और सामाजिक एकता का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया।

मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा में पहुंचे पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा बेमेतरा विधानसभा के ग्राम रजकुड़ी में जय मां शीतला बोल बम समिति द्वारा निर्मित भव्य मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा में पहुंचकर पूजा अर्चना की और क्षेत्रवासियों के लिए सुख समृद्धि का आशीर्वाद मांगा पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने जय मां शीतला बोल बम समिति की प्रशंसा करते हुए कहा कि समिति ने अपने समर्थ के दम पर भव्य मंदिर का निर्माण कराया है जो निश्चित ही हम सभी के आस्था का केंद्र है और बहुत ही नेक कार्य है सभी की आस्थाएं ईश्वर से जुड़ी हुई है और मंदिर में पूजा अर्चना करके लोगों की मनोकामनाएं फलीभूत होंगी इस अवसर पर ललित विश्वकर्मा दाऊ शुभम वर्मा दाऊ टोपेंद्र वर्मा शशि प्रभा गायकवाड सरपंच श्रीमती ताकेश्वरी वर्मा प्रतिनिधि जितेंद्र वर्मा डोमन मनोज शर्मा भावसिंग राज नरेन्द्र निषाद चंद्रिका निषाद खेमराज पूरी भावी नाथ निषाद मिलन रजक मीनादेवी मांडले दिलीप मांड़ले उर्मिला वर्मा सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे ।

प्रज्वल कुमार वर्मा बने अखिल भारतीय कूर्मी क्षत्रिय महासभा के बेमेतरा जिला युवा अध्यक्ष

बेमेतरा/मूक पत्रिका

अखिल भारतीय कूर्मी क्षत्रिय महासभा ने बेमेतरा जिले में संगठन के विस्तार और युवाओं को जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। महासभा द्वारा ग्राम अमोरा (बेमेतरा) निवासी प्रज्वल कुमार वर्मा को जिला युवा प्रकोष्ठ, बेमेतरा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष की अनुशंसा पर नियुक्ति यह नियुक्ति छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष चंद्रभूषण वर्मा की विशेष अनुशंसा और सलाह पर की गई है। प्रज्वल वर्मा की समाज के प्रति सक्रियता, समर्पण और उनके कुशल सांगठनिक क्षमता को देखते हुए संगठन ने उन्हें यह अहम जिम्मेदारी सौंपी है।वरिष्ठ पदाधिकारियों ने दी शुभकामनाएं इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष चंद्रभूषण वर्मा, युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मिलिंद चंद्राकर और सामाजिक वरिष्ठ व पूर्व अध्यक्ष ष्टतक्कष्ट (वर्तमान सदस्य ष्टतक्कष्ट)

डॉ. प्रवीण वर्मा , जिला अध्यक्ष सिंगरौर कुर्मी क्षत्रिय समाज राजेंद्र वर्मा एवं अन्य पदाधिकारियों ने उन्हें आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। इस नियुक्ति से जिले के स्वजातीय बंधुओं और युवाओं में हर्ष व्याप्त है।

बेमेतरा वार्ड क्रमांक 2 में महाशिवरात्रि पर उमड़ा आस्था का सैलाब

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शहर के वार्ड क्रमांक 2 में श्रद्धा और आस्था का पावन पर्व महाशिवरात्रि धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। सुबह ब्रह्म मुहूर्त से ही शिवालयों में भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। हर-हर महादेव और जय भोलेनाथ के जयकारों से मंदिर परिसर गुंजायमान हो उठा। महाशिवरात्रि के अवसर पर शहर सहित वार्ड के सभी शिव मंदिरों को आकर्षक रूप से सजाया गया है। श्रद्धालु जल, दूध, बेलपत्र और धतूरा अर्पित कर भगवान भोलेनाथ का विधिवत अभिषेक कर रहे हैं। मंदिर समितियों द्वारा विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई है।समिति के सदस्यों ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मानपुर में अखंड नवधा रामायण का तीन दिवसीय आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के अंतिम दिवस पर मेले का भी आयोजन रखा गया है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर धार्मिक आयोजन के साथ मेले का आनंद उठा रहे हैं।इस अवसर पर समिति के सदस्य रामप्रसाद वर्मा, मधु वर्मा, प्रेम वर्मा, तुषार सिन्हा, श्रीराम वर्मा, लखन वर्मा, लेखु वर्मा, टेमचंद वर्मा, राजेश वर्मा, कौशल वर्मा, रामखेलावन सिंहा, कुंवर सिंह यादव, गणेश सिंहा, पप्पी वर्मा एवं आजू वर्मा सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। महाशिवरात्रि के इस पावन अवसर पर पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है और श्रद्धालु भगवान शिव की आराधना में लीन नजर आ रहे हैं।

127 बालवाड़ी शिक्षकों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण पूरा, बुनियादी शिक्षा मजबूत करने की पहल

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले में बाल शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर बनाने के उद्देश्य से एफएलएन के तहत 127 बालवाड़ी शिक्षकों का पांच दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण पूरा हुआ। यह प्रशिक्षण छत्तीसगढ़ राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के निर्देशन और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बीजापुर के प्राचार्य वेंकट रमन के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।11 से 15 फरवरी तक चले इस प्रशिक्षण को मिश्रित पद्धति में आयोजित किया गया। पहले दो दिन ऑनलाइन सत्र हुए, जबकि अंतिम तीन दिन डाइट परिसर में ऑफलाइन प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पूजा-अर्चना और सरस्वती वंदना के साथ हुई।प्रशिक्षण में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ईसीसीई), बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान, थीम आधारित शिक्षण, खेल आधारित गतिविधियाँ, कक्षा प्रबंधन, बच्चों का आकलन और अनुकूल शिक्षण वातावरण जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। शिक्षकों को यह भी बताया गया कि रोजमर्रा की कक्षाओं में इन तरीकों को कैसे अपनाया जाए, ताकि बच्चों की सीखने की प्रक्रिया आसान और प्रभावी बन सके।अंतिम दिन प्राचार्य ने शिक्षकों से बातचीत करते हुए कहा कि शुरुआती वर्षों में सही मार्गदर्शन मिलने से बच्चों की सीखने की नींव मजबूत होती है। उन्होंने प्रशिक्षण में मिली जानकारी को स्कूलों में लागू करने पर जोर दिया। मास्टर ट्रेनर्स पवन सिन्हा, चिमन लाल चंदेल, बल्लू राम नेताम और सुनील साहू ने सत्रों के माध्यम से शिक्षकों को व्यावहारिक तरीके समझाए। प्रशिक्षण के दौरान प्री-टेस्ट और पोस्ट-टेस्ट भी लिए गए, जिससे शिक्षकों की समझ का आकलन किया जा सका।

जल अर्पण दिवस में सहसपानी गांव को पानी टंकी संचालन की दी जिम्मेदारी

जल जीवन मिशन से गांव के घर घर में नल से मिल रहा पानी

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जल जीवन मिशन से जिले में जल की उपलब्धता, जल बचाव हेतु विकासखंड सारंगढ़ के ग्राम पंचायत सहसपानी में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा भव्य जल अर्पण दिवस कार्यक्रम शनिवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नवनिर्मित पानी टंकी एवं अन्य जल प्रदाय योजनाओं को ग्रामवासियों को समर्पित किया गया। ÷मोर गाँव मोर पानी÷, ÷जल संवर्धन÷, ÷सुजल ग्राम÷ और ÷सुजल, स्वच्छ, स्वस्थ ग्राम हमारा अभिमान÷ जैसे नारों के साथ ग्रामीणों को जल की उपयोगिता, संरक्षण एवं प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी गई। विभागीय अधिकारियों कार्यपालन अभियंता रमाशंकर कश्यप, एसडीओ बी एल खरे ने बताया कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुँचाना और जल स्रोतों के संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडे, विधायक उत्तरी जांगड़े, सारंगढ़ जनपद अध्यक्ष ममता सिंह ठाकुर, सांसद प्रतिनिधि अरुण गुड्डू, पत्रकार प्रशांत प्रधान, आदिवासी नेता तेजराम सिदार, जिले के सचिव संघ अध्यक्ष बलभद्र पटेल सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी- कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहेकार्यक्रम में बच्चों ने स्वागत गीत के साथ सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति दी। अंत में ÷हर-घर नल से जल ङ्क जल बचाएँ, जीवन संजोएँ÷ का संदेश देते हुए ग्रामीणों से जल संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। जल जीवन मिशन से गांव के घर घर में नल से पानी मिल रहा है। जल अर्पण दिवस ने जंगल के समीप बसे गांव सहसपानी में जल विकास की नई धारा प्रवाहित की है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।